हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 139, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 19 नवम्बर, 2023 दिन रविवार | गाजीपुर/वाराणसी

यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन पर एक्शनः लग सकता है प्रतिबंध

प्रदेश में नहीं बिक पाएंगे हलाल सर्टिफाइड उत्पाद

लखनऊ। बिना किसी अधिकार के खान-पान व सौंदर्य प्रसाधन के उत्पादों को अवैध ढंग से 'हलाल सर्टिफिकेट' देने के काले कारोबार पर यूपी में प्रतिबंध लग सकता है। मजहब की आड़ लेकर एक धर्म विशेष को बरगलाने और अन्य धर्मों के बीच विद्वेष भड़काने की इस नापाक कोशिश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आशंका है कि कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लेकर हलाल सर्टिफिकेट के नाम पर इकट्ठा हो रही अवैध कमाई से आतंकवादी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को फंडिंग की जा रही है। वहीं अब लखनऊ कमिश्नरेट में एफआईआर भी दर्ज की गई है। एफआईआर के मुताबिक, हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, जमीयत उलेमा हिन्द हलाल ट्रस्ट दिल्ली, हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया मुम्बई, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र मुम्बई आदि द्वारा एक धर्म विशेष के ग्राहकों को मजहब के नाम से कुछ उत्पादों पर हलाल प्रमाणपत्र प्रदान कर उनकी ब्रिकी बढ़ाने के लिए आर्थिक लाभ लेकर

अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। इन कंपनियों के पास किसी उत्पाद को प्रमाण पत्र देने का कोई अधिकार नहीं है। उक्त कम्पनियों द्वारा कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार कर आर्थिक लाभ लेकर विभिन्न कम्पनियों को हलाल प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला तो है ही जनआस्था के साथ छल है। शिकायतकर्ता ने इसे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए कहा है कि जिन कम्पनियों ने ऐसा हलाल प्रमाण पत्र इनसे नहीं प्राप्त किया है, उनके उत्पादन की बिक्री को घटाने का प्रयास भी किया जा रहा है, जो कि आपराधिक कृत्य है। आशंका है कि इस अनुचित लाभ को समाज विरोधी व राष्ट्र विरोधी तत्वों को पहुंचाया जा रहा है। खास बात यह कि शाकाहारी उत्पादों जैसे तेल, साबुन, टूथपेस्ट, मधु आदि की बिक्री के लिए भी हलाल प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, जबकि शाकाहारी वस्तुओं पर ऐसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होती है। जाहिर है कि एक समुदाय विशेष एवं उनके उत्पादों के विरुद्ध आपराधिक षडयन्त्र किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मजहब की आड़ लेकर एक वर्ग विशेष में अनर्गल प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है कि ऐसे उत्पाद का प्रयोग न करें जिसे इनकी कम्पनी द्वारा हलाल प्रमाणपत्र न दिया गया हो। परिणाम स्वरुप दूसरे समुदाय विशेष के व्यावसायिक हितों का नुकसान हो रहा है। इस प्रकार आम नागरिकों के लिये उपयोग होने वाली वस्तुओं पर भी हलाल प्रमाण पत्र जारी कर अनुचित आर्थिक लाभ कमाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। उपरोक्त कम्पनियों द्वारा ऐसा न केवल आर्थिक लाभ के लिए बल्कि समाज में वर्ग विद्वेष फैलानें, आम जन मानस मे विभेद कराकर देश को कमजोर करने के लिए पूर्व सुनियोजित योजना के अनुसार किया जा रहा है। जिसमे उक्त कम्पनियों के मालिक प्रबन्धक के अलावा अन्य तमाम लोगों की भी एक आपराधिक षडयंत्र के तहत सहभागिता है तथा इसमें राष्ट्र विरोधी षड्यंत्र करने वाले व देश को कमजोर करने वाले अन्य तमाम लोग भी शामिल है। शिकायतकर्ता ने उक्त लोगों द्वारा करोड़ों रुपये का अनुचित लाभ भी कमा कर उससे आतंकवादी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की फंडिंग किये जाने की आशंका भी जताई है।

स्वामी प्रसाद मौर्य व बेटी कोर्ट में तलब

लखनऊ। धोखाधड़ी और बगैर तलाक के सांसद संघमित्रा मौर्या की दूसरी शादी के प्रकरण में पूर्व मंत्री विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य, उनकी सांसद बेटी और तीन अन्य को एमपी/ एमएलए कोर्ट ने तलब किया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें छह जनवरी 2024 को हाजिर होना होगा। कोर्ट ने सभी को बतौर आरोपी तलब किया है। एमपी/ एमएलए कोर्ट के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबरीश कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में परिवाद दाखिल करते हुए दीपक कुमार स्वर्णकार ने आरोप लगाया कि तीन जनवरी 2019 को उसका विवाह संघमित्रा से उसके आवास में हुआ था। विवाह के समय संघमित्रा और पिता स्वामी प्रसाद ने बताया था कि उसका पहले पति से तलाक हो चुका है। दीपक का आरोप है कि बाद में पता चला कि संघमित्रा का तलाक तो 2021 में हुआ था। जब उन लोगों से विधि विधान से शादी करने को कहा तो पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने लखनऊ और कुशीनगर में कई बार उस पर हमला करवाया था। उसने स्वयं को संघमित्रा का पति बताते हुए कोर्ट में परिवाद दाखिल किया तो गवाहों और सबूतों के आधार पर कोर्ट ने संघमित्रा मौर्या, उनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य और उनके तीन अन्य साथियों को विचारण के लिए छह जनवरी 2024 को तलब किया है।

जिस थाली में खा रहे, उसी में कर रहे छेद राजस्थान में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

भरतपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव के चलते भाजपा और कांग्रेस में वार-पलटवार जारी है। दोनों पार्टियों के बड़े नेता एक दूसरे पर हमला बोल रहे हैं। इस बीच राजस्थान के भरतपुर पहुंचे पीएम मोदी ने सीएम अशोक गहलोत पर जमकर हमला बोला है। राजस्थान में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने अपने 5 साल के राज में राजस्थान को केवल दुख दिया है। इस सरकार में अत्याचार, जुल्म और भ्रष्टाचार बढ़ा है। राजस्थान अपराध और दंगों में अग्रणी राज्य बन गया है। पीएम ने कहा कि इसी कारण जनता बोल रही है, 'जादूगर जी कोनी मिले वोट जी' यानी गहलोत को जनता वोट नहीं देना चाहती है। पीएम ने आगे कहा कि कुछ लोग खुद को जादूगर बोलते हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि इस बार जनता बोल रही है कि 3 दिसंबर

कांग्रेस छू मंतर। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ब्रज क्षेत्र में एक मशहूर कहावत है, जहां कहा जाता है 'जा पत्तल में खानों, वा में छेद करनो'। इसका मतलब है, जिस थाली में खाना खाते हैं, उसी में छेद कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि यही काम कांग्रेस ने राजस्थान की जनता के साथ किया है। राजस्थान के लिए भाजपा के संकल्प पत्र पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये काफी शानदार है। पीएम ने कहा कि हमने राजस्थान की जनता से कई वादे किए हैं, जिनमें शामिल है....

देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे।

राजस्थान में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करेंगे।

बहनों-बेटियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाएंगे।

राजस्थान भाजपा ने जो वादे किए हैं उन्हें पूरा करने के लिए हम जी-जान लगा देंगे।

भारत में ही लड़ाकू विमान का इंजन बनाने का रास्ता साफ, अमेरिका ने जनरल इलेक्ट्रिक को दीं सभी मंजूरियां

नई दिल्ली। भारत में एलसीए मार्क 2 लड़ाकू विमान के इंजन जनरल इलेक्ट्रिक के साथ मिलकर बनाने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल अमेरिका ने इससे संबंधित सारी मंजूरी दे दी हैं। डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर वी कामत ने बताया कि 'एलसीए मार्क 2 के इंजन और स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की पहली दो स्कवाड्रन का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के साथ मिलकर करेगी। अमेरिका ने इससे जुड़ी सभी मंजूरी दे दी हैं।' बता दें कि पीएम मोदी की जून में अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में कई अहम समझौते हुए थे। इसके तहत अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक भारतीय कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर लड़ाकू विमान के इंजन बनाने वाली है। जनरल इलेक्ट्रिक ने अमेरिका कांग्रेस में एक आवेदन देकर संयुक्त रूप से लड़ाकू इंजन बनाने की मंजूरी मांगी थी।

'सुप्रीम कोर्ट का करेंगे रुख'... प्राइवेट नौकरी में 75% आरक्षण रद्द होने पर बोले दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा। कोर्ट ने प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में राज्य के निवासियों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण को अनिवार्य करने वाले

हरियाणा के कानून को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट के फैसले पर हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। डिप्टी सीएम ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देनी की बात कही है। उन्होंने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की घोषणा की है। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हम हाईकोर्ट के इस स्टे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा कि 75 प्रतिशत रोजगार में आरक्षण वाला कानून प्रदेश और उद्योगों के हित में है। रोजगार कानून से उद्योगपति और सभी सहमत है। ऐसे में हम हाईकोर्ट के पूरे फैसले का अध्ययन कर रहे है और जल्द ही सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। यह कोई पहली बार नहीं है कि हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे इससे पहले भी हम हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए थे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक साल बाद रोजगार कानून पर हाईकोर्ट ने दो ऑब्जेक्शन उठाए हैं, उसे हम स्टडी कर रहे है। सरकार का इरादा स्थानीय युवाओं को रोजगार देना और उद्योगों को स्किल्ड युवा देना है, इसलिए ये रोजगार आरक्षण कानून हित में है। उन्होंने कहा कि उद्योगों और राज्य सरकार को मिलकर काम करना होगा प्रदेश के उद्योगों में लोकल स्किल्ड युवाओं का होना बेहद जरूरी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों में लोकल युवाओं के रोजगार होने से रहने और आने-जाने जैसी समस्याएं हल होगी, इससे उद्योगों के विकास में भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं, सरकार के प्रयासों से नए बड़े उद्योग प्रदेश में विकसित हो रहे हैं।

'राजस्थान में 5 साल सिर्फ कुर्सी की लड़ाई चली', जेपी नड्डा बोले- कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार और छलावे का वादा

जोधपुर। चुनावी राज्य राजस्थान पहुंचे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस और सीएम गहलोत पर निशाना साधा है। नड्डा ने कहा कि राजस्थान संस्कारी लोगों की भूमि है, लेकिन आज गहलोत सरकार ने राज्य की 'आन, बान, शान' को कलंकित कर दिया है। जोधपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गहलोत जी ने राजस्थान में 5 साल शासन किया ही नहीं। यहां सिर्फ कुर्सी की लड़ाई होती रही। नड्डा ने कहा कि राज्य में 19 पेपर लीक की घटनाएं हुई, जिसमें रक्षक भर्ती घोटाला, पटवारी घोटाला, पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाला जैसे न जाने कितने घोटाले हुए। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगे कहा कि आज भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान नंबर 1 पर पहुंच गया है। किसानों के तिरस्कार और उनके साथ होने वाले अन्याय में राजस्थान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। गरीबों और पिछड़ों पर अत्याचार में राजस्थान पहले स्थान पर है। नड्डा ने कहा कि भाजपा का राजस्थान की सत्ता में आना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ही इस राज्य का भला कर सकती है।

अशरफ के जिगरी यार को टास्क फोर्स ने उठाया, पूछा- कैसे बने टाउनशिप कंपनी में निदेशक, सवालों की हुई बौछार

प्रयागराज। माफिया अतीक की बेनामी संपत्तियों का पता लगाने में जुटी कमिश्नरेट टास्क फोर्स ने शुक्रवार को उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ के दोस्त को उठा लिया। जियाउद्दीन अहमद नाम का यह शख्स एयरपोर्ट क्षेत्र में 13 एकड़ में फैली आलीशान टाउनशिप का निदेशक रह चुका है। टास्क फोर्स को इनपुट मिला है कि इसमें अशरफ ने पैसा लगाया था। घंटों चली पूछताछ में अफसरों ने उस पर सवालों की बौछार की, जिससे उसके माथे पर पसीना आ गया। पिछले दिनों गठित कमिश्नरेट टास्क फोर्स ने माफिया की बेनामी संपत्तियों पर कार्रवाई के संबंध में अभियान चला रखा है। सूत्रों के मुताबिक, गोपनीय तरीके से की गई जांच में पता चला कि शहर में स्थित एक आलीशान टाउनशिप में अशरफ ने पैसा लगाया था। जांच आगे बढ़ाई गई तो यह बात सामने आई कि यह टाउनशिप एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के जलालपुर घोसी में

स्थित है। पहले यह 13 एकड़ क्षेत्रफल में बसाई गई और बाद में टाउनशिप बसाने वाली कंपनी ने आसपास स्थित कई बीघा जमीनों को भी खरीदकर टाउनशिप में शामिल कर लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो मालिक ने माफिया से संबंध होने की बात सिरे से नकार दी। हालांकि, अफसरों के कान तब खड़े हो गए जब पता चला कि इस कंपनी में अतीक के भाई अशरफ का दोस्त जियाउद्दीन लंबे समय तक निदेशक रहा। सूत्रों के मुताबिक, जियाउद्दीन मूलरूप से चमरूपुर पठान, नूरपुर थाना जेठवारा प्रतापगढ़ का रहने वाला है। वह यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज का छात्र रह चुका है। वह और अशरफ दोनों साथ पढ़ते थे। यह जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार को पुलिस ने उसे बुलाकर घंटों पूछताछ की। पूछा कि आखिर टाउनशिप कंपनी में उसे निदेशक कैसे बनाया गया। अगर टाउनशिप बसाने में वह पार्टनर रहा तो इसके लिए रकम कहां से आई और इस आय का स्रोत क्या था। पुलिस को यह भी पता चला है कि टाउनशिप के लिए जमीन 2012 में एक ट्रस्ट से मिली है।

राज्यपाल की तरफ से लौटाए गए 10 विधेयकों को विधानसभा में फिर मिली मंजूरी, सीएम स्टालिन ने साधा निशाना

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 10 विधेयकों पर पुनर्विचार के लिए शनिवार को राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। साथ ही उन्होंने राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने से रोकने पर राजपाल के प्रति नाराजगी व्यक्त की। हालांकि, बाद में चर्चा के बाद सभी विधेयकों को फिर से स्वीकार कर लिया गया है। अब विधेयकों को फिर से मंजूरी के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के पास भेजा जाएगा। इससे पहले, सदन में स्टालिन ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा था कि बिना कोई कारण बताए रवि ने विधेयकों को लौटा दिया। जबकि साल 2020 और 2023 में सदन द्वारा 2-2 विधेयक पारित किए गए थे, जबकि पिछले साल छह अन्य पारित किए गए थे। उन्होंने कहा था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत अगर सदन में विधेयकों को फिर से पारित किया जाता है और मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास जाते हैं, तो वह इस पर रोक नहीं लगा सकते हैं। उन्होंने सदन का ध्यान तमिलनाडु विधानसभा के नियम 143 पर केंद्रित कराया। उन्होंने कहा था कि इस नियम के अनुसार सदन फिर से विधेयकों पर पुनर्विचार कर सकती है। मुख्यमंत्री

ने रवि पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्यपाल सरकार की पहलों को रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने अपनी निजी सनक के कारण विधेयकों को लौटाया है। विधेयकों को मंजूरी नहीं देना अलोकतांत्रिक और जनविरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्यपालों के जरिए गैर-भाजपा शासित राज्यों को निशाना बना रहा है।

'आत्मनिर्भर बनें ग्लोबल साउथ के देश', विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोविड महामारी का जिक्र कर चेताया

नई दिल्ली। शुक्रवार को दिन भर चले ग्लोबल साउथ सम्मेलन में भारत ने इन देशों के अगुवा के तौर पर किस तरह से आर्थिक व सामाजिक विकास की राह तय की जाए, इसका रास्ता दिखाने की कोशिश की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इन देशों को आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। कोविड महामारी के समय की याद दिलाते हुए जयशंकर ने कहा कि हर देश को यह सीख लेनी चाहिए कि अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए दूर स्थित किसी देश पर निर्भरता के कितने ज्यादा खतरे हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ देशों के हितों की बात पहली बार उठाये जाने का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अभी भी इन देशों के हितों के मुद्दे पर काफी विरोध सहन करना पड़ता है। ऐसे में इस समूह के सभी देशों को एक साथ मिल कर अपने हितों के मुद्दों को बहुराष्ट्रीय मंचों पर उठाना चाहिए।

सम्मेलन के एक दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सप्लाई चेन के मामले में ज्यादा सहयोग स्थापित करने के लिए बातचीत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महामारी, जलवायु परिवर्तन और भूराजनैतिक हालात की वजह से वैश्विक सप्लाई चेन की स्थिति पर काफी गहरा असर पड़ा है। इससे खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा को लेकर संकट पैदा हो गया है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत चाहता है कि इस बारे में ग्लोबल साउथ के देशों के बीच ज्यादा संपर्क हो ताकि एक टिकाऊ व भरोसेमंद सप्लाई चेन की स्थापना हो सके। जी-20 शिखर सम्मेलन में भी भारत ने ऐसी ही कोशिश की है। यह फैसला किया गया है कि ग्लोबल वैल्यू चेन की मैपिंग की जाए। यानी सप्लाई चेन में हर देश की भूमिका का अध्ययन किया जाए व उसके हिसाब से आगे की रणनीति बनाई जाए। इससे ज्यादा लोगों को संपन्न भी बनाया जा सकेगा। इसी तरह से सम्मेलन के एक दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा व कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि भारत की नई शिक्षा नीति (एनइपी) से ग्लोबल साउथ के देश काफी कुछ सीख सकते हैं। भारत अपनी शिक्षा व कौशल विकास से जुड़े अनुभव को इन देशों के साथ साझा करने को तैयार है।

एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश राशिद कालिया ढेर, 1.25 लाख रुपये का था इनाम

झांसी। शनिवार सुबह एसटीएफ की कानपुर के चर्चित पिंटू सेंगर हत्याकांड में वंछित बदमाश राशिद कालिया के साथ मुठभेड़ हो गई। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश रशीद के सीने के पास लगी। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। कुछ देर बाद उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। कालिया ने झांसी में भी एक हत्याकांड को अंजाम दिया था।

उस पर 1.25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। एसएसपी राजेश एस के मुताबिक, राशिद कालिया उर्फ गौड़ा उर्फ बीरू पुत्र सलीम कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के चिश्तीनगर का रहने वाला है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि कालिया ने मऊरानीपुर इलाके के एक व्यक्ति की हत्या की सुपारी ली हुई है। वारदात को अंजाम देने के लिए वहां मऊरानीपुर पहुंचा हुआ था। शनिवार सुबह करीब सात बजे एसटीएम ने मऊरानीपुर पुलिस के साथ मिलकर उसे सितौरा रोड के पास घेर लिया। पुलिस को देखकर राशिद ने फायर झोंक दिया। इस पर एसटीएफ ने भी फायरिंग की। सीने में गोली लगने से कालिया गिर गया। इसके बाद उसे मऊरानीपुर सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया मौके पर सभी आला पुलिस अफसर भी पहुंच गए।

संपादकीय

पर्यावरण को तहस-नहस कर देता है युद्ध

जब सशस्त्र संघर्ष शुरू होता है, तो सबसे पहले हमारा ध्यान प्रभावित लोगों पर जाता है, लेकिन जब युद्ध रुक जाता है तब भी इससे उत्पन्न समस्याएं खत्म नहीं होतीं। युद्ध पर्यावरण को तहस-नहस कर देता है। तोपों के हमलों, राकेटों और बारूदी सुरंगों से प्रदूषक निकलते हैं, जिनसे जंगल तबाह हो जाते हैं और कृषि भूमि बेकार हो जाती है। सूडान में गृह युद्ध, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और इजराइल-हमास युद्ध समेत दुनिया में इस वर्ष छह में से एक व्यक्ति संघर्ष से प्रभावित हुआ है। एक तरह से कहा जाए तो युद्ध का दौर लौट आया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से संघर्षों का दौर चरम पर है। मौतें 28 साल के उच्चतम स्तर पर हैं। युद्ध से जानमाल को होने वाले नुकसान का आकलन करते समय हमें इससे हुए दूसरे नुकसानों को अनदेखा नहीं करना चाहिए, जिसमें पर्यावरण को क्षति शामिल है। सशस्त्र संघर्ष पर्यावरणीय क्षति जैसा गहरा असर छोड़ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप हमारे और अन्य प्राणियों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रासायनिक और अन्य हथियारों से होने वाला प्रदूषण जहर के तौर पर पर्यावरण में बना रहता है। विस्फोटकों से जो यूरेनियम प्रदूषक निकलते हैं, वे काफी समय तक लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं जबकि सेना की आवाजाही और बुनियादी ढांचे की क्षति से परिदृश्य और खराब हो जाता है। संघर्षों से हुआ नुकसान आपके अनुमान से कहीं अधिक समय तक रह सकता है। फ्रांस में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वर्दुन की खूनी लड़ाई ने एक समय उपजाऊ मानी जाने वाली कृषि भूमि को प्रदूषित कर दिया था। आज उस युद्ध के एक सदी से अधिक समय के बाद भी कोई भी उस क्षेत्र में नहीं रह सकता, जिसे अब रेड जोन कहा जाता है। जैसे-जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध आगे बढ़ रहा है, गंभीर वायु प्रदूषण, वनों की कटाई और मिट्टी का क्षरण बढ़ गया है। संघर्ष के चलते रहने के ठिकानों को नुकसान होता है और जैव विविधता में गिरावट आती है। 1946 से 2010 के बीच, सशस्त्र संघर्ष से प्रभावित अफ्रीकी देशों में वन्य जीवन में उल्लेखनीय गिरावट आई। युद्ध के दौरान बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल खासतौर पर बहुत हानिकारक होता है, क्योंकि ये तब तक अपनी जगह कायम रहती हैं, जब तक की उन्हें छूने से उनमें विस्फोट न हो जाए। युद्ध समाप्त होने के काफी समय बाद भी, वे लोगों या जानवरों की मौत का कारण बन सकती हैं। लीबिया, यूक्रेन, लेबनान और बोस्निया हजेगोविना में बाढ़ का पानी गुजरने के बाद जमीन के नीचे बारूदी सुरंग होने का पता चला है। कई विस्फोटक ऐसे होते हैं, जो थोड़े समय की तीव्र गर्मी को तो बर्दाश्त कर लेते हैं। लेकिन जब उच्च तापमान रहता है, तो ये खुद ही फट जाते हैं। पश्चिम एशिया में ऐसा आमतौर पर होता रहा है, जहां तापमान काफी अधिक रहता है। इराक में, 2018 से 2019 के बीच भीषण गर्मी के दौरान छह आयुध डिपो में विस्फोट हुआ। जॉर्डन में 2020 में भीषण कर्मी के कारण इसी तरह आयुध डिपो में विस्फोट होने की बात कही जाती है। युद्ध के अंत में, हथियार अक्सर समुद्र में फेंक दिये जाते हैं। प्रथम विश्व युद्ध से लेकर 1970 के दशक तक, यूनाइटेड किंगडम में पुरानी युद्ध सामग्री और रासायनिक हथियार समुद्र में फेंक दिए गए थे। यह एक आसान समाधान लग सकता है, लेकिन इससे पैदा हुआ खतरा खत्म नहीं होता। उत्तरी आयरलैंड और स्कॉटलैंड के बीच एक प्राकृतिक समुद्री खाई के तल पर 10 लाख टन से अधिक युद्ध सामग्री बिखरी हुई है। इनसे कभी-कभी पानी के अंदर विस्फोट हो जाता है, जबकि रासायनिक हथियार बहकर समुद्र तटों पर आ जाते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोलोमन द्वीप पर भीषण लड़ाई हुई। आज भी, हर साल उस दौर के बम फटने से लोग मर जाते हैं या घायल हो जाते हैं। मछुआरों को पानी के नीचे बमों से सावधान रहना होता है। कुल मिलाकर हम अब युद्ध और पर्यावरणीय नुकसान के बीच विनाशकारी संबंध को नजरअंदाज नहीं कर सकते। युद्ध जलवायु परिवर्तन से निपटने की हमारी क्षमता को बदतर बनाते हैं, और संघर्ष से होने वाला पर्यावरणीय नुकसान जलवायु परिवर्तन को और बदतर कर देता है।

बदल रही तस्वीर!

संगठन में इनके लगता ।
आ रही दरार ।।
फिर भी होगा देखना ।
कौन पहनता हार ।।
धीरे धीरे शायद ।
बदल रही तस्वीर ।।
खबर रही है उड़ ।
हैं सारे ही वीर ।।
हारते ना हिम्मत हैं ।
ना खुले बस पोल ।।
एक दूसरे को भले ।
रहें घुमाते गोल ।।
शानदार अंदाज है ।
पर अंदर कोहराम ।।
रुक रुक कर कभी कभी ।
है आता पैगाम ।।

–कृष्णेन्द्र राय

मोदी सरकार की नीतियों के चलते तेज गति से बढ़ रहा है भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय अर्थव्यवस्था आज लगभग 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था के आकार में विस्तार से उस देश के नागरिकों की आय में वृद्धि दर्ज होती है इससे गरीब वर्ग के हाथों में भी पैसा पहुंचता है इससे, विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़ती है एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं और अंततः गरीब वर्ग की संख्या में कमी होकर देश में मध्यम वर्ग की संख्या बढ़ती है। नीति आयोग के एक प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2015-16 में भारत के शहरी क्षेत्रों में गरीब वर्ग की संख्या 24.85 प्रतिशत थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 14.90 प्रतिशत रह गई है। इसमें 9.95 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी प्रकार वर्ष 2015-16 में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब वर्ग की संख्या 32.59 प्रतिशत थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 19.28 प्रतिशत रह गई है। अतः भारत में गरीब वर्ग की संख्या कम हुई है। इसी कारण से वैश्विक रेटिंग संस्थान भारत की रेटिंग को बढ़ाते जा रहे हैं।

स्टैंडर्ड एंड पुअर रेटिंग संस्थान ने भारत की विकास दर को वर्ष 2023-24 के लिए 6 प्रतिशत रखा है तो वर्ष 2024-25 के लिए 6.9 प्रतिशत की बात की है। साथ ही इसी संस्थान का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2030 तक 7 लाख 30 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने वाला है। वर्ष 2023 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 26 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के साथ प्रथम स्थान पर है। दूसरे नम्बर पर चीन आता है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 18 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। तीसरे स्थान पर जापान है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 4 लाख 20 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर है। चौथे स्थान पर जर्मनी है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार भी लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार भारत अपनी बढ़ी हुई लगभग 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की विकास दर के साथ शीघ्र ही जापान एवं जर्मनी को पछाड़ कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। फिच नामक रेटिंग संस्थान ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर के अपने पूर्व के अनुमान में सुधार करते हुए इसे वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है, पहिले इस वृद्धि दर के 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। मूडीज नामक रेटिंग संस्थान ने भी भारत की विकास दर को वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 6.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की है। भारत तेजी से विकास कर रहा है, यह त्यौहारों के दौरान बाजारों में उत्पादों की खरीद के लिए उमड़ रही भीड़ से भी साफ दिखाई दे रहा है। भारत24 चैनल पर प्रस्तुत एक कार्यक्रम में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (अर्थात कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में कुल उत्पादन) वर्ष 2022-23 में 282.83 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर आ गया है। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद पूरे विश्व में पहिले नम्बर पर है जो 2121.19 लाख करोड़ रुपए का है। इसीलिए अमेरिका पूरी दुनिया का सबसे अमीर एवं ताकतवर देश कहा जाता है। दूसरे नम्बर पर चीन का सकल घरेलू उत्पाद 1497.31 लाख करोड़ रुपए का है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 407.60 लाख करोड़ रुपए का है। जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 341.05 लाख करोड़ रुपए का है। इस दृष्टि से भारत दुनिया का 5वां सबसे बड़ा अमीर देश है। वर्ष 2013-14 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 113.55 लाख करोड़ रुपए का था और वर्ष 2013-14 में भारतीय अर्थव्यवस्था का पूरे विश्व में 10वां नम्बर था। वर्ष 2013-14 में अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद 1459.88 लाख करोड़ रुपए का था। चीन का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2013-14 में 871.77 करोड़ का था। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 2013-14 में 349.37 लाख करोड़ रुपए का था। जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 323.59 लाख करोड़ रुपए का था। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद इस दौरान 50 प्रतिशत, चीन का 80 प्रतिशत, जापान का 30 प्रतिशत, जर्मनी का 5 प्रतिशत बढ़ा है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 150 प्रतिशत बढ़ा है। इसी गति से भारत आर्थिक प्रगति करता रहा तो निश्चित ही वर्ष 2030 के पूर्व ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मेक इन इंडिया योजना के अंतर्गत भी बहुत काम होता दिखाई दे रहा है और भारत में निर्मित वस्तुओं का निर्यात लगतार बढ़ रहा है। वर्ष 2022-23 में भारत ने 36 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया है। जबकि वर्ष 2014 में 19.05 लाख करोड़ रुपए का निर्यात हुआ था। यह लगभग दोगुना हो गया है। वर्ष 2023-24 में भारत सरकार ने पूंजीगत व्यय को 10 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा दिया है। इससे रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्ष 2014-15 में भारत में 97,000 किलो मीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग थे, जो 9 वर्ष बाद वर्ष 2023-24 में बढ़कर 145,155 किलोमीटर हो गए हैं। इस दौरान लगभग 50,000 किलोमीटर के नए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्मित हुए हैं। अब तो गुणवत्ता के मामले में भारत के राजमार्ग अमेरिका के राजमार्गों से टक्कर लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। बेहतरीन राजमार्ग विकसित देश के लिए जरूरी हैं। अच्छे राजमार्गों से बाजार और रोजगार दोनों बढ़ते हैं। आज भारत अपने घर में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को भी लगातार बढ़ा रहा है। वोकल फोर लोकल का नारा अब बुलंद हो रहा है एवं भारतीय नागरिक अब चीन में निर्मित उत्पादों का उपयोग कम करते हुए भारत में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी भारतीय नागरिकों को लगातार अपील कर रहे हैं कि भारत में ही उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करें। इसका असर होता दिख भी रहा है। चीन से विभिन्न उत्पादों के आयात में इस त्यौहारी मौसम में कमी आई है और एक अनुमान के अनुसार इस वर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपए के उत्पादों का आयात चीन से कम हुआ है। चीनी दिवाली लाइट्स के आयात में 32 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। वहीं दूसरी ओर भारत में बनी लाइट्स की बिक्री में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इसका सबसे अधिक फायदा गरीब वर्ग को हो रहा है। हम समस्त भारतीय नागरिकों को भी इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि सड़क के एक किनारे बैठकर कुछ वस्तुएं बेचने वाले गरीब व्यक्ति से अधिक मोलभाव ना करते हुए उनसे वस्तुएं खरीदें ताकि यह वर्ग भी अपनी आय को बढ़ा सके। वैसे भी, जब हम लोग माल से वस्तुएं खरीदते हैं तो कोई माल भाव थोड़ी करते हैं।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सूर्य हैं शिवाजी महाराज

प्रखर डेस्क। आगामी 21नवम्बर से 26 नवम्बर तक प्रतिदिन सायंकाल भारत वर्ष की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित महानाट्य जाणता राजा का मंचन किया जाएगा। पुणे से आए तीन सौ कलाकारों द्वारा इस महानाट्य की जीवंत प्रस्तुति की जाएगी। पद्म विभूषण बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे द्वारा मराठी में लिखित इस महानाट्य का मंचन देश के विभिन्न भागों में तथा विदेशों में भी होता रहा है। तकनीकी युग में भी रंगकर्मियों द्वारा जाणता राजा की सजीव प्रस्तुति के प्रति अदभुत आकर्षण बना हुआ है। विशेष रुप से भावी भारत को यह मंचन अवश्य देखना चाहिए। यह एक दुर्लभ संयोग है कि हम अमृत काल में हिन्दवी स्वराज्य के तीन सौ पचास वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मना रहे हैं। ऐसे कालखंड में शिवाजी महाराज के चरित्र की चर्चा अनायास नहीं है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य, स्वधर्म, स्वभाषा और स्वदेश के लिए जो कार्य किया है वह अतुलनीय है। 6 जून 1674 को उनका राज्याभिषेक एक व्यक्ति को राजसिंहासन पर बैठाने तक सीमित नहीं था। वह एक व्यक्ति नहीं, एक महान विचार, एक महान प्रेरणापुंज तथा युगप्रवर्तन के शिल्पकार थे। हिन्दुओं की चोटी और गरीब की रोटी-बेटी के रखवाले शिवाजी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अग्रदूत थे।" वेद राखे विदित पुराण परसिद्ध राखे/राम नाम राख्यो अति रसना सुघर मैं। हिन्दुन की चोटी रोटी राखी है सिपाहिन को/कांधे में जनेऊ राख्यो माला राखी गर में।"आज सम्पूर्ण विश्व में शासन के विकेंद्रीकरण की बात होती है, बड़े बड़े व्याख्यान और संगोष्ठी का आयोजन भी होता है। लेकिन 350 वर्ष पूर्व अपने शासन की बागडोर सुचारुरूप से चलाने के लिए जिस तरह शिवाजी ने सत्ता का विकेंद्रीकरण और जनतंत्रीकरण किया उससे हिंदवी स्वराज्य की एक अलग पहचान स्थापित हो गई। उन्होंने व्यक्ति केन्द्रित शासन के स्थान पर व्यवस्था आधारित शासन के सृजन पर बल दिया। शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में जनहित के कार्यों और चहुमुखी विकास के लिए अष्टप्रधान मण्डल की व्यवस्था की थी जिसमें पेशवा,अमात्य, धार्मिक मामलों के प्रमुख,सेनापति, मंत्री, सुमंत, सचिव तथा न्यायाधीश हुआ करते थे। प्रशासनिक कार्य संचालन के लिए संस्कृत और मराठी को कामकाज की भाषा बनाकर अरबी और फारसी के प्रभाव को खत्म किया गया। उन दिनों अधिकांश मुहरें फारसी में खुदी हुई थीं।शिवाजी ने उन्हें संस्कृत से बदल दिया तथा संस्कृत में राज्य व्यवहारकोश तैयार करवाया। अपनी भाषा और अपने धर्म के साथ स्वराज्य प्राप्त करने के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण परिर्वतन था। भारत एक सनातन देश है,यहां पर अपना राज होना चाहिए, अपने धर्म का विकास होना चाहिए अपने जीवन मूल्यों को चरितार्थ करना चाहिए। शिवाजी का जीवन संघर्ष इसी सोच को प्रस्थापित करने के लिए था। वे कहते थे कि स्वराज्य संस्थापना ईश्वरीय कार्य है, मैं ईश्वरीय कार्य का केवल एक सिपाही हूं। राज्य धर्म का है शिवा का नहीं। एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से पूछा सब कुछ खोने से ज्यादा क्या बुरा है? स्वामी जी ने उत्तर दिया, उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे पर हम सबकुछ वापस पा सकते हैं। मुगलों की तलवार को कुंद करने वाले, हिन्दुस्थान के महानायक, हिंदू हृदय सम्राट शिवाजी महाराज ने भारत वर्ष की खोई हुई इसी उम्मीद को जगाने का काम किया। उन्होंने असहाय एवम् आत्मविश्वासहीन हिन्दू समाज में नई ऊर्जा का संचार किया। जब भारत का बौद्धिक परिदृश्य बंजर हो रहा था तथा सांस्कृतिक सूर्य अस्ताचलगामी हो चला था ऐसे में शिवाजी का उदय धूमकेतु की तरह होता है। अगर शिवाजी महाराज न होते तो क्या होता? "काशी कर्बला होती मथुरा मदीना होती/शिवाजी न होते तो सुन्नत होती सबकी। वास्तव में श्रेष्ठता की कसौटी क्या है? इस पर विचार करने से ज्ञात होता है कि मनुष्य की भविष्यकाल पर छाया कितनी लम्बी है इससे उसकी श्रेष्ठता का निर्धारण किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर तीन बड़े नामों सिकन्दर, जूलियस सीजर एवम् नेपोलियन से शिवाजी की तुलना की जाती है। फलश्रुति के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शिवाजी अद्वितीय थे।

डॉ. संतोष कुमार मिश्र

पर्यावरण को तहस-नहस कर देता है युद्ध, हमलों के दौरान जो प्रदूषक निकलते हैं वह प्रकृति को गंभीर नुकसान पहुँचाते हैं

जब सशस्त्र संघर्ष शुरू होता है, तो सबसे पहले हमारा ध्यान प्रभावित लोगों पर जाता है, लेकिन जब युद्ध रुक जाता है तब भी इससे उत्पन्न समस्याएं खत्म नहीं होतीं। युद्ध पर्यावरण को तहस-नहस कर देता है। तोपों के हमलों, राकेटों और बारूदी सुरंगों से प्रदूषक निकलते हैं, जिनसे जंगल तबाह हो जाते हैं और कृषि भूमि बेकार हो जाती है। सूडान में गृह युद्ध, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और इजराइल-हमास युद्ध समेत दुनिया में इस वर्ष छह में से एक व्यक्ति संघर्ष से प्रभावित हुआ है। एक तरह से कहा जाए तो युद्ध का दौर लौट आया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से संघर्षों का दौर चरम पर है। मौतें 28 साल के उच्चतम स्तर पर हैं। युद्ध से जानमाल को होने वाले नुकसान का आकलन करते समय हमें इससे हुए दूसरे नुकसानों को अनदेखा नहीं करना चाहिए, जिसमें पर्यावरण को क्षति शामिल है। सशस्त्र संघर्ष पर्यावरणीय क्षति जैसा गहरा असर छोड़ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप हमारे और अन्य प्राणियों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रासायनिक और अन्य हथियारों से होने वाला प्रदूषण जहर के तौर पर पर्यावरण में बना रहता है। विस्फोटकों से जो यूरेनियम प्रदूषक निकलते हैं, वे काफी समय तक लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं जबकि सेना की आवाजाही और बुनियादी ढांचे की क्षति से परिदृश्य और खराब हो जाता है। संघर्षों से हुआ नुकसान आपके अनुमान से कहीं अधिक समय तक रह सकता है। फ्रांस में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वर्दुन की खूनी लड़ाई ने एक समय उपजाऊ मानी जाने वाली कृषि भूमि को प्रदूषित कर दिया था। आज उस युद्ध के एक सदी से अधिक समय के बाद भी कोई भी उस क्षेत्र में नहीं रह सकता, जिसे अब रेड जोन कहा जाता है। जैसे-जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध आगे बढ़ रहा है, गंभीर वायु प्रदूषण, वनों की कटाई और मिट्टी का क्षरण बढ़ गया है।

संघर्ष के चलते रहने के ठिकानों को नुकसान होता है और जैव विविधता में गिरावट आती है। 1946 से 2010 के बीच, सशस्त्र संघर्ष से प्रभावित अफ्रीकी देशों में वन्य जीवन में उल्लेखनीय गिरावट आई। युद्ध के दौरान बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल खासतौर पर बहुत हानिकारक होता है, क्योंकि ये तब तक अपनी जगह कायम रहती हैं, जब तक की उन्हें छूने से उनमें विस्फोट न हो जाए। युद्ध समाप्त होने के काफी समय बाद भी, वे लोगों या जानवरों की मौत का कारण बन सकती हैं। लीबिया, यूक्रेन, लेबनान और बोस्निया हजेगोविना में बाढ़ का पानी गुजरने के बाद जमीन के नीचे बारूदी सुरंग होने का पता चला है। कई विस्फोटक ऐसे होते हैं, जो थोड़े समय की तीव्र गर्मी को तो बर्दाश्त कर लेते हैं। लेकिन जब उच्च तापमान रहता है, तो ये खुद ही फट जाते हैं।

पश्चिम एशिया में ऐसा आमतौर पर होता रहा है, जहां तापमान काफी अधिक रहता है। इराक में, 2018 से 2019 के बीच भीषण गर्मी के दौरान छह आयुध डिपो में विस्फोट हुआ। जॉर्डन में 2020 में भीषण कर्मी के कारण इसी तरह आयुध डिपो में विस्फोट होने की बात कही जाती है। युद्ध के अंत में, हथियार अक्सर समुद्र में फेंक दिये जाते हैं। प्रथम विश्व युद्ध से लेकर 1970 के दशक तक, यूनाइटेड किंगडम में पुरानी युद्ध सामग्री और रासायनिक हथियार समुद्र में फेंक दिए गए थे। यह एक आसान समाधान लग सकता है, लेकिन इससे पैदा हुआ खतरा खत्म नहीं होता। उत्तरी आयरलैंड और स्कॉटलैंड के बीच एक प्राकृतिक समुद्री खाई के तल पर 10 लाख टन से अधिक युद्ध सामग्री बिखरी हुई है। इनसे कभी-कभी पानी के अंदर विस्फोट हो जाता है, जबकि रासायनिक हथियार बहकर समुद्र तटों पर आ जाते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोलोमन द्वीप पर भीषण लड़ाई हुई। आज भी, हर साल उस दौर के बम फटने से लोग मर जाते हैं या घायल हो जाते हैं। मछुआरों को पानी के नीचे बमों से सावधान रहना होता है। कुल मिलाकर हम अब युद्ध और पर्यावरणीय नुकसान के बीच विनाशकारी संबंध को नजरअंदाज नहीं कर सकते। युद्ध जलवायु परिवर्तन से निपटने की हमारी क्षमता को बदतर बनाते हैं, और संघर्ष से होने वाला पर्यावरणीय नुकसान जलवायु परिवर्तन को और बदतर कर देता है।

एकमुश्त समाधान योजना का लाभ लेने के लिए विद्युत उपभोक्ताओं की लगी कतार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत वितरण मंडल गाजीपुर के अधीन चारो खंडो सहित समस्त उपखंड कार्यालयो पर उपभोक्ताओं की काफी भीड़ देखने को मिल रही है। वही विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय आमघाट के अधिशाषी अभियंता सुजीत सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ओटीएस के तहत एकमुश्त समाधान योजना पिछले 8 नवंबर से लाया गया था जिसमे घरेलू एवम पैंपिंग सेट के बकाया बिल पर 100% ब्याज माफ है वही कमर्शियल पर 3 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को 80% एवं 3 किलोवाट से उपर के उपभोक्ताओं को 60% ब्याज पर लाभ मिलेगा वही निजी संस्थान के ब्याज पर 50% की छूट है तथा लघु एवं मध्यम उद्योग के ब्याज पर 50% की छूट है। वही विद्युत चोरी में दर्ज मुकदमों में लगे राजस्व निर्धारण पर 65% की छूट है मगर साथ ही साथ जो राजस्व निर्धारण के साथ शमन शुल्क लगा है उसको भी साथ जमा करना होगा एवं जिस भी उपभोक्ताओं की आरसी भेजी गई है उनके लिए भी सुनहरा मौका है अपने बकाया बिल पर लगे ब्याज में भारी भरकम छूट का लाभ लेकर अपना बकाया बिल का भुगतान करे और आरसी वापस कराए। वही न्यायालय में लंबित मुकदमों में भी छूट दी गई है अगर जिन उपभोक्ताओं का बकाया बिल, बिजली चोरी में मुकदमा दर्ज हो और प्रकरण न्यायालय में लंबित हो तो वैसे लोग अपने नजदीकी विद्युत ऑफिस में जाकर ओटीएस का पूरा लाभ लेकर अपना बकाया और राजस्व निर्धारण जमा कर सकते है। अभी तक एकमुश्त समाधान योजना के तहत कुल 1801 लोगो का पंजीकरण कर लिया गया है और इस ओटीएस योजना का लाभ उपभोक्ता बढ़ चढ़कर ले रहे है। आगे उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया की इस ओटीएस योजना में जल्द से जल्द आप लोग पंजीयन तत्काल करा ले क्योंकि इस ओटीएस योजना का पूरा लाभ लेने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2023 है उसके बाद 01 दिसम्बर 2023 से 15 दिसम्बर 2023 तक छूट में 10% की कटौती की जाएगी एवं 16,12,2023 से 31,12,2023 तक छूट का लाभ लेने पर कुल 20% छूट में कटौती की जाएगी। अतः सभी उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि जल्द से जल्द इस ओटीएस योजना का लाभ अपने निजी विद्युत खंड, उपखंड कार्यालय तथा उपकेंद्रों,सहज सन सेवा केंद्र, मीटर रीडर, विद्युत सखी के पास जाकर सरकार द्वारा दी गई ओटीएस योजना का पूरा लाभ प्रथम चरण 08 नवंबर 2023 से 30 नवंबर 2023 तक अपना पंजीयन करा ले एवं पहले आए पहले पाए का लाभ लेते हुवे पंजीयन अवश्य कराए।

एमएलसी विद्यालाल सोनकर की निधि से निर्मित सिविल बार के वाचनालय का भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया लोकार्पण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विधान परिषद सदस्य विद्यासागर सोनकर द्वारा वित्तिय सत्र 2022-2023 मे गाजीपुर सिविल बार एशोसिएशन मे पुस्तकालय व वाचनालय के शिलान्यास तथा प्रदत्त सहायता राशि 10 लाख रुपये से सिविल बार एशोसिएशन के उपरी मंजील पर निर्मित भवन का लोकार्पण भाजपा जिलाध्यक्ष सुनिल सिंह ने बार संघ के अध्यक्ष सुधाकर राय एडवोकेट के अध्यक्षता मे आयोजित कार्यक्रम मे भाग लेकर शीलापट्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि अधिवक्ता समाज के अत्यंत बुद्धिजीवी वर्ग मे से एक होते है। जिनके उपर समाज मे न्याय व्यवस्था से जुड़ी संवेदनशील जिम्मेदारियों का बड़ा दायित्व है।उन्होने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों के सुविधा के लिए जो भी जरुरत होगी उसको सरकार प्राथमिकता से पुरी की जाएगी। बार एशोसियेशन के अध्यक्ष सुधाकर राय ने अधिवक्ताओं के विभिन्न जरुरतों के ध्यानार्थ अधिवक्ताओं के लिए नये भवन तथा रजिस्ट्री कार्यालय को कचहरी परिसर मे लाने कि बात कही। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह का माल्यार्पण कर

स्वागत अभिनन्दन किया गया। आयोजित कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट रतन जी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर रामपुजन सिंह,धीरेन्द्र सिंह, जयसूर्य भट्ट, देवी प्रसाद राय, सुमित तिवारी, सुरेश सिंह ,चन्द्रबली राय, आत्मा यादव, सिद्धनाथ राय, गोपाल राय, शशिकान्त शर्मा, नीतिश दूबे, सुरेश बिंद सहित आदि अन्य अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सवा किलो गांजा संग अभियुक्त चढ़ा भांवरकोल पुलिस के रडार पर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में शुक्रवार को उप निरीक्षक मनोज कुमार मिश्रा मय हमराह कांस्टेबल विपेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल राजेन्द्र कुमार व कांस्टेबल सोनू कुमार के देखभाल क्षेत्र व छठ त्यौहार पर सतर्क दृष्टि रखते हुए छठ पूजा घाट देखने हेतु शेरपुर कला गंगा घाट से जैसे ही शेरपुर कला गांव में पूरब की ओर लगे मोबाइल टावर के पास पहुंचा कि एक व्यक्ति पैदल ही आता हुआ दिखाई पड़ा। जो पुलिस वालों को देखकर भागने लगा। आवश्यक बल प्रयोग करके हिकमत अमली से पकड़ लिया गया। अभियुक्त उमेश नाथ राय उर्फ झब्बू राय पुत्र स्व0 राम किशुन राय ग्राम शेरपुर कला थाना भांवरकोल जनपद गाजीपुर उम्र 47 वर्ष को लगभग 11 बजे रात्रि में 1250 ग्राम नजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर धारा-8/20 स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मेहदावल में विकासखंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आराधना द्विवेदी ने बताया है कि विकासखंड मेहदावल में विकासखंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता जूनियर सब जूनियर तथा सीनियर वर्गों में बालक तथा बालिकाओं के लिए आयोजित की गई थी कार्यक्रम का आयोजन जगतगुरु शंकराचार्य इंटर कॉलेज मेहदावल में किया गया था जिसमें बच्चों तथा युवाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी अरुण पांडे ने सभी युवाओं को लगातार आगे बढ़ाने तथा खेलकूद में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से जगतगुरु शंकराचार्य के प्रधानाचार्य तथा अन्य शिक्षकों ने युवाओं का हौसला वर्धन किया। उक्त कार्यक्रम में एथलेटिक्स कबड्डी कुश्ती वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजक क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती आराधना द्विवेदी ब्लॉक कमांडर गोरख प्रसाद ब्लॉक कमांडर शेषनाथ चौधरी पीआरडी स्वयंसेवक राजकुमार उपाध्याय जोखन राजेश कुमार सहित अन्यभी उपस्थित रहे।

बजट में किसानों का सत प्रतिशत नलकूप बिल माफ के बावजूद बिल आना किसानों के साथ धोखा : कांग्रेस पार्टी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। योगी जी की सरकार द्वारा बजट किसानो के निजी नलकूप के बिल को शत प्रतिशत मांफ किए जाने की व्यवस्था की गई है लेकिन किसानों के निजी नलकूप का बिल आ रहा है और किसानों से जमा भी कराया जा रहा इसी मुद्दे को लेकर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह एडवोकेट व जिलाध्यक्ष लोकेश सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री को संबोधित अपर जिलाधिकारी प्रशासन को ज्ञापन सौंपा` कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अपनी मांगों को लेकर कहा कि जब बजट में किसानों के निजी नलकूप बिल सत प्रतिशत माफ है तो बिल क्यों आ रहा है और जमा भी कराया जा रहा है`कांग्रेस पार्टी विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी किसानों का निजी नलकूप बिल माफ के लिए बजट में 1500 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है लेकिन इसके बावजूद किसानों के निजी नलकूप का बिल आना और उसे किसानों द्वारा जमा कराया जाना किसानों के साथ सरासर धोखा है` प्रदेश उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि किसानों के साथ योगी जी सरकार द्वारा की जा रही धोखाधड़ी बंद होनी चाहिए अन्यथा कांग्रेस पार्टी सड़क पर उत्तर जायेगी और धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगी` ज्ञापन सौंपते समय अशोक कुमार सिंह एडवोकेट, लोकेश सिंह, राजीव राम, हसन मेहंदी कब्बन, मोहसिन शास्त्री,दिना सिंह, सत्येन्द्र सिंह,ए के पाण्डेय, संजय कुमार पटेल,चेग्वेवारा रघुवंशी, अशोक कुमार, कृष्णानंद सिंह, सुशील पांडेय व अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायक पहलवान रावत की मनाई गई 11वीं पुण्यतिथि

प्रखर शाहगंज जौनपुर। शुक्रवार को नगर के जौनपुर रोड अक्खनसराय स्थित अनीता हॉस्पिटल में पूर्व विधायक पहलवान रावत की 11वीं पुण्य तिथि मनाई गई।इस दौरान मौजूद लोगों और गणमान्यों ने विनम्र श्रद्धांजलि पेश की और उनके सामाजिक और राजनैतिक जीवन पर प्रकाश डाला गया। श्रद्धांजलि सभा मे उनके बड़े पुत्र सर्जन और भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश शोध प्रमुख डाक्टर अभिषेक रावत ने कहा पिता जी द्वारा पिछड़ों और अनुसूचित वर्ग के लिए गए कार्य और सँघर्ष से हमे प्रेरणा मिलती है।सामाजिक और मानवता के लिए हमारा जीवन समर्पित है। वहीं पूर्व विधायक की धर्मपत्नी व पूर्व भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती अनीता रावत ने अश्रुपूर्ण श्रधांजलि अर्पित करते हुए कहा की हम और हमारा पूरा परिवार देश और समाज के लिए सँघर्ष और कार्य करता रहेगा। श्रधांजलि सभा के बाद गरीबों में भोजन भी कराया गया। बताते चले स्वर्गीय पहलवान रावत 1980 से 1985 तक शाहगंज विधानसभा से विधायक रहे।एक सड़क हादसे के बाद काफी लंबा इलाज चलने के बाद 2012 में उनकी मृत्यु हो गयी थी। श्रधांजलि सभा मे प्राभात सिंह, शमशीर, मो. आसिफ, आतिफ,शैलेश, विक्रम सहित दर्जनों गणमान्य उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विषय के गोल्ड मेडलिस्ट का हुआ स्वागत

प्रखर जौनपुर। अपना दल एस जिला कार्यालय वाजिदपुर में शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जनसंचार विभाग के वर्ष 2023 के गोल्ड मेडलिस्ट रामनरेश प्रजापति का माल्यार्पण करके स्वागत किया। राष्ट्रीय सचिव ने विश्वविद्यालय में महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री माली ने कहा कि जनपद जौनपुर के छात्र ने राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक पाकर जिले का मान प्रदेश स्तर पर बढ़ाया है।आज पूरा जनपद अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र से होकर विश्वविद्यालय स्तर पर एक अलग कीर्तिमान स्थापित हुआ जो गांव में पढ़ने लिखने वाले हर छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं ।उन्होंने एक सफल और निष्पक्ष पत्रकार बनने के लिए शुभकामनाएं दी।उन्होंने कहा कि आगे चलकर गरीबों,पिछड़ों, शोषितों और पीड़ितों की आवाज को उठाते हुए समाज और लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करेंगे।जिलाध्यक्ष शिवनायक पटेल ने कहा कि पत्रकारिता के बदौलत ही लोकतंत्र का अस्तित्व कायम है। उम्मीद ही नहीं बल्कि पूर्ण रूप से विश्वास है कि देश और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को बखूबी निभाते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाएंगे।

सुधाकर महिला पी० जी० कालेज के दो छात्राओं का गणतंत्र दिवस की परेड में हुआ चयन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रिय निदेशालय, लखनऊ द्वारा सुधाकर महिला पी० जी० कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के दो छात्राओं रिशु यादव और खुशी गौड़ का आगमी 26 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस परेड समारोह में सम्मिलित होने के लिये चयन हुआ है। जबकि देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित होने वाले पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन 20 नवंबर से 29 नवंबर 2023 तक आयोजित किया गया है इसी क्रम में 18 नवंबर शनिवार को महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के कुल सचिव डॉ. सुनीता पाण्डेय, उप कुलसचिव हरिश चन्द्र और राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्यवक डॉ. रविन्द्र कुमार गौतम ने दोनों छात्राओं को माल्यार्पण करके और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया` इस अवसर पर सुधाकर महिला पी.जी. कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रथम इकाई डॉ. मनोरमा तिवारी, द्वितीय इकाई - डॉ. शालिनी मिश्रा, तृतीय इकाई डॉ. पूजा सिंह भी उपस्थित रही। इसी क्रम में वाराणसी रेलवे स्टेशन से दोनों छात्रायें देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के लिए पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिये रवानगी किया। इस अवसर पर सुधाकर महिला पी० जी० कालेज के प्राचार्य डॉ. प्रभु नारायण दूबे, उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे, समन्वयक डॉ.अशोक कुमार पाण्डेय और निदेशक आशीर्वाद दूबे ने दोनों छात्राओं को आशीर्वाद और शुभकामनायें दी` डॉ. प्रभु नारायण दूबे ने कहा कि ये महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि सुधाकर महिला पी.जी. कालेज से दो छात्राओं का चयन गणतंत्र दिवस की परेड में हुआ है।

भारत की जीत के लिए विधायक रमेश सिंह करेंगे हवन- पूजन

प्रखर शाहगंज। वर्ल्ड कप का फाइनल मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को आयोजित होगा। क्रिकेट मैच शुरू होने से पहले भारतीय टीम की जीत के लिए शाहगंज के विधायक रमेश सिंह हवन पूजन करेंगे।मैच के लाइव प्रसारण के लिए शाहगंज नगर के अयोध्या मार्ग स्थित हिंद सिनेमा को बुक किया गया है। विधायक ने इस अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रम में (मैच देखने के लिए भी)सभी पत्रकार बंधुओ को आमंत्रित किया है।उन्होंने समस्त पत्रकारों से ऐसे गौरवशाली क्षण का हिस्सा बनने की अपील की है।

राष्ट्रहित - उद्योग हित में कार्य करने वाले अधिकारियो का हुआ सम्मान : राजेश कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लघु उद्योग भारती काशी प्रांत द्वारा लहरतारा स्थित एक होटल में दीपावली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया पिछले कई वर्षों से उद्यमी हित में कार्य करने वाले एमएसएमई विभाग तथा सैमसंग टेक्निकल स्कूल वाराणसी के अधिकारियो का सम्मान भी किया गया। राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष लघु उद्योग भारती काशी प्रांत ने बताया की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एमएसएमई सैमसंग टेक्निकल स्कूल वाराणसी (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय) को अथक प्रयास से करीब 9.5 साल में हजारों युवाओं को तकनी शिक्षा मैं कौशल वृद्धि और रोजगार प्राप्ति, स्वरोजगार में बढ़ावा को देखते हुए एमएसएमई-सैमसंग टेक्निकल वाराणसी स्कूल के कस्टोडियन हिमांशु शेखर को अंगवस्त्र एवं संगठन का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। हिमांशु शेखर ने सैमसंग स्कूल के बच्चो को तकनीकी शिक्षा प्रदान कर निपुण बनाने में अपना

योगदान दिया है ज्ञात हो कि लघु उद्योग भारती संगठन राष्ट्र हित उद्योग हित में कार्य करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारियो, कर्मचारियों को प्रत्येक वर्ष सम्मानित करता आ रहा है। लघु उद्योग भारती काशी के उद्यमियों ने टेक्निकल सेंटर बनाने की माग करते हुए बताया कि संगठन के अथक प्रयास से वर्ष 2016 में टूल रूम की स्थापना हेतु केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय द्वारा 200 करोड़ की धनराशि अनुमोदित की गई थी परंतु स्थानीय प्रशासन द्वारा भूमि उपलब्ध नहीं कराए जाने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में युवाओं को उच्च टेक्निकल एजुकेशन से वंचित होना पड़ रहा है। उक्त कार्यक्रम में राजेश चौधरी, वीरेंद्र राना सहायक निदेशक एमएसएमई तथा दिनेश गुप्ता, ज्योति शंकर मिश्रा, सर्वेश श्रीवास्तव, अरुण सिंह, विमलेश मौर्या, शैलेश सिंह, मनीष चौबे, राजकुमार रस्तोगी, संजय सिंह, गुलशन मौर्या, गुलजारी लाल गुप्ता,नयन गुप्ता सहित काफी उद्यमी शामिल थे।

डीएम एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सुनी समस्यायें तथा समाधान के लिए दिया निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सैदपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे 90 प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 06 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातो तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 351 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 27 प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील जखनियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 71 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 06 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 18 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 की अध्यक्षता में 53 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 03 का निस्तारण किया गया। तहसील कासिमाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 50 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 19 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 03 का निस्तारण किया गया एवं तहसील मुहम्मदाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 50 प्रार्थना प्राप्त 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर उचौरी ग्राम सभा के लेखपाल अनुराग भारद्वाज के द्वारा कार्य में लापरवाही पाये जाने पर प्रतिकुल प्रविष्टि देने का सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिया। उन्होने प्राप्त प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी सैदपुर, क्षेत्राधिकारी सैदपुर एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शक्ति धाम आश्रम में लगाया गया निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक संत जगद्गुरु साई माँ लक्ष्मी देवी मिश्रा की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से हरिशचंद्र घाट रोड स्थित शक्तिधाम आश्रम में शनिवार को निःशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया` शक्तिधाम आश्रम के प्रबंधक मनीष गुप्ता ने बताया कि शक्तिधाम आश्रम की ओर से पांच गांवो में निःशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया गया है जिसका शुभारंभ शनिवार को आश्रम परिसर में किया गया। वाराणसी आई बैंक सोसाइटी के डॉ.अजय मौर्य के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों की आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद की जांच की गई जिसमें मोतियाबिंद के मरीज का ऑपरेशन आने वाले दिनों में सुनिश्चित किया गया है जिन लोगों की आंखों की जांच की गई है उन सभी को निःशुल्क चश्मा वितरण आगामी दिनों में आश्रम परिसर में ही किया जाएगा।

डीएम व एसपी द्वारा संयुक्त रुप से छट्ठ पर्व को ले कर थाना मेहदावल व बखिरा के अंतर्गत छठ पूजा घाटों का किया गया निरीक्षण, दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा संयुक्त रुप से पुलिस व प्रशासनिक टीमों के साथ भक्ति एवं आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को अपेक्षित सुविधा प्रदान करने हेतु थाना मेहादवल अंतर्गत शिवमंदिर कुबेरनाथ पोखरा व थाना बखिरा अंतर्गत बाबा भंगेश्वर नाथ के निकट पोखरा का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान घाट पर छठ के दौरान आने वाले छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की संख्या के बारे में जानकारी ली गई। अधिकारीद्वय द्वारा उपस्थित अधिकारियों को घाट की साफ-सफाई, वैरिकेडिंग, कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सुदृढ करने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए गए । निरीक्षण के क्रम में बताया गया कि जिन घाटों पर पानी अधिक है वहां पर मजबूत बैरिकेडिग करा दिया जाए व नाव, गोताखोर आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि कोई दुर्घटना न हो सके, साथ ही सभी घाटों पर प्रकाश की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए । छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी या दिक्कत नहीं होनी चाहिए साथ ही सभी छठ घाटों पर आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

डीएम की अध्यक्षता में मेंहदावल तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने मेंहदावल तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्व निस्तारण के लिए राजस्व विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जा कर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य लक्ष्य है, इसमें किसी भी प्रकार लापरवाही पाये जाने अथवा सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा ससमय संज्ञान न लेने को गम्भीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि कार्यो में ढिलाई कदापि न बरती जाये, सभी लाभार्थीपरक योजनाएं जैसे- वृद्धावस्था पेंशन, निर्विवाद वरासत और कागजात दुरूस्ती आदि के मामल को तत्काल सुलझाने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिये गये। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये। लाभार्थीपरक योजनाओं के लाभार्थियों का शत-प्रतिशत आधार सीडिंग का कार्य करा लिया जाए।

मेंहदावल तहसील में विभिन्न संदर्भों से संबंधित कुल 56 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से 05 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्थांतरित करते हुए जिलाधिकारी ने एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने इस आयोजन में पिछले संपूर्ण समाधान दिवसों में प्राप्त लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों में निस्तारण मे विलम्ब के कारण का भी उल्लेख किया जाय साथ ही सभी प्रकरणों को अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करा दिया जाय।

कानून एवं व्यवस्था से संबंधित मामलों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा किया गया। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारी/ थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाय। आवश्यकतानुसार राजस्व विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर लिया जाये। यह सुनिश्चित कराया जाय कि पीडितों को न्याय मिले। पुलिस अधिकारीगण प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार त्वरित कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रामानुज कन्नौजिया, उप जिलाधिकारी मेंहदावल अरुण कुमार वर्मा, जिला विकास अधिकारी सुरेश चन्द्र केसरवानी, तहसीलदार मेंहदावल, नायब तहसीलदार हरेराम यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी, राजस्व एवं पुलिस विभाग से सम्बंधित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में खलीलाबाद तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अपर जिलाधिकारी ने विभिन्न मामलों से सम्बंधित फरियादियों को सुनते हुए सम्बंधित अधिकारी/ कर्मचारी को मामले के त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया, उन्होंने कहा कि मामलों के निस्तारण में स्थलीय जांच एवं अन्य कार्यवाही आदि के दौरान अधिकारीगण दोनो पक्षों की पूरी बात को सुनने के उपरान्त ही प्रकरण का निस्तारण करें। तहसील खलीलाबाद में कुल 32 प्रार्थना पत्र आये जिसमें से मौके पर 02 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कर शेष 30 प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को अंतरित करते हुए अबिलम्ब गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने का निर्देश दिया गया। कानून व्यवस्था एवं पुलिस प्रशासन से सम्बन्धित मामलों की सुनवायी अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह द्वारा की गयी। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों/ थाना प्रभारियों को शिकायतों पर त्वरित कर्यवाही करने का निर्देश देते हुये कहा कि इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो तथा पीड़ित पक्ष को न्याय मिल सके।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शैलेश दुबे, पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपांशी राठौर, तहसीलदार जनार्दन, नायब तहसीलदार विजय गुप्ता सहित तहसील से सम्बंधित अधिकारी, राजस्व कर्मचारी, लेखपाल आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में धनघटा तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई उप जिलाधिकारी धनघटा उत्कर्ष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उन्होंने विभिन्न मामलों से सम्बंधित एक-एक कर फरियादियों के समस्याओं को सुनते हुए सम्बंधित अधिकारी/ कर्मचारी को मामले के त्वरित निस्तारण का निर्देश दिये। तहसील धनघटा में कुल 37 प्रार्थना पत्र आये जिसमें मोके पर 01 प्रकरण का निस्तारण करा दिया गया शेष प्रकरणों को सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को अबिलम्ब गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने का निर्देश दिया गया।

मुंगेर में सीता जी ने की थी पहली छठ पूजा

मुंगेर (वार्ता)। लोक आस्था के पर्व छठ को लेकर कई धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं, इनमें से एक यह भी है कि प्रभु श्रीराम की पत्नी माता सीता ने सर्वप्रथम छठ पूजन किया था जिसके बाद इस पर्व की शुरुआत हुई। छठ को बिहार का महापर्व माना जाता है। यह पर्व बिहार के साथ देश के अन्य राज्यों में भी बड़े धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। बिहार के मुंगेर में छठ पर्व का विशेष महत्व है। छठ पर्व से जुड़ी कई अनुश्रुतियां है लेकिन धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता सीता ने सर्वप्रथम पहला छठ पूजन बिहार के मुंगेर में गंगा तट पर संपन्न किया था।इसके बाद से इस पर्व की शुरुआत हुई। आज भी माता सीता के चरण चिह्न मौजूद हैं।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, ऐतिहासिक नगरी मुंगेर के सीता चरण में कभी मां सीता ने छह दिनों तक रह कर छठ पूजा की थी। श्री राम जब 14 वर्ष वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे तो रावण वध के पाप से मुक्त होने के लिए उन्होंने ऋषि-मुनियों के आदेश पर राजसूय यज्ञ करने का फैसला लिया। इसके लिए मुद्गल ऋषि को आमंत्रण दिया गया था लेकिन मुद्गल ऋषि ने भगवान राम एवं सीता को अपने ही आश्रम में आने का आदेश दिया। ऋषि की आज्ञा पर भगवान राम एवं सीता स्वयं यहां आए और उन्हें इसकी पूजा के बारे में बताया गया। मुद्गल ऋषि ने मां सीता को गंगाजल छिड़क कर पवित्र किया एवं कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने का आदेश दिया। यहीं रह कर माता सीता ने छह दिनों तक सूर्यदेव भगवान की पूजा की थी। ऐसी मान्यता है कि माता सीता ने जहां छठ पूजा संपन्न की थी, वहां आज भी उनके पदचिह्न मौजूद है। कालांतर में जाफर नगर दियारा क्षेत्र के लोगों ने वहां पर मंदिर का निर्माण करा दिया। यह सीताचरण मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर हर वर्ष गंगा की बाढ़ में डूबता है। महीनों तक सीता के पदचिह्न वाला पत्थर गंगा के पानी में डूबा रहता है। इसके बावजूद उनके पदचिह्न धूमिल नहीं पड़े है।

श्रद्धालुओं की इस मंदिर एवं माता सीता के पदचिह्न पर गहरी आस्था है। ग्रामीणों का कहना है कि दूसरे प्रदेशों से भी लोग पूरे साल यहां मत्था टेकने आते है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती है। मंदिर के पुरोहित के अनुसार सीताचरण मंदिर आने वाला कोई भी श्रद्धालु खाली हाथ नहीं लौटता है।

छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी। संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया। यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन वह शिशु मृत था। इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया। तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी। आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मै षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं।' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा। इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी। मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है। शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ, सफल और दीर्घायु होने की प्रार्थना की जाती है।

'छठ गीत छठी मइया करिहा दुलार' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री-गायिका अक्षरा सिंह का छठ गीत छठी मइया करिहा दुलार रिलीज हो गया है। गीत को प्रजक्ता शुक्रे ने कंपोज किया है। गीत छठी मइया करिहा दुलार मनोज यादव के काव्य छंदों पर आधारित है।

छठ गीत 'छठ गंगा घाट प' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और गायिका करिश्मा कक्कर का छठ गीत 'छठ गंगा घाट प' रिलीज हो गया है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत छठ गीत 'छठ गंगा घाट प' के निर्माता रत्नाकर कुमार है। इसके गीतकार आशुतोष तिवारी है। संगीतकार आर्या शर्मा है। मिक्स एंड मास्टर जीतू शर्मा ने किया है। वीडियो निर्देशक दिनेश जी, डीओपी सोनू, एडिटर मीत जी है। डीआई रोहित सिंह ने किया है। इस गाने का आल राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

वार्षिक उत्सव के लिए खुला सबरीमाला अयप्पा मंदिर

सबरीमाला (केरल) (वार्ता)। विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर को मलयालम महीने 'वृचिकम' के पहले दिन 17 नवम्बर से शुरू होने वाले दो महीने लंबे मंडलम-मकरविलक्कू वार्षिक उत्सव के लिए खोल दिया गया है।पहाड़ी मंदिर का श्रीकोविल (गर्भगृह) गुरूवार शाम 1700 बजे 'थंत्री' महेश मोहनारू (मुख्य पुजारी) द्वारा खोला गया था। चल रही प्रथा के तहत हालाँकि, कल शाम श्रीकोविल में कोई अनुष्ठान नहीं किया गया था। तीं महेश मोहनारू ने निचले तिरुमुट्टम में पवित्र अग्नि स्थान (आझी) में अग्नि प्रज्जवलित की। बाद में, भगवान अयप्पा मंदिर के नए मेलसंथी के रूप में पीएन महेश की स्थापना की गई। थंत्री महेश मोहनारू ने श्रीकोविल के सामने नए मेलसंथी पर 'कलशअभिषेकम' आयोजित करके स्थापना समारोह आयोजित किया। बाद में थंत्री ने नए मेलसंथी के कान में भगवान अयप्पा का 'मूलमंम' फूंका।

नई मेलसंथी ने मलयालम महीने 'वृचिकोम'के पहले दिन शुक्रवार सुबह एक साल के कार्यकाल के लिए कार्यभार संभाला। मलिकप्पुरम देवी मंदिर के नए मेलसंथ, पीजी मुरली की स्थापना समारोह भी कल शाम मुख्य पुजारी द्वारा किया गया था। थंत्री द्वारा शुक्रवार सुबह अष्ट द्रव्य महा गणपति होम करके मंदिर के अनुष्ठान शुरू किए गए। अष्टाभिषेकम के बाद नेय्याभिषेकम शुरू हुआ। इस वर्ष का मंडला पूजा उत्सव 27 दिसम्बर, 2023 को पूरा होगा। बाद में, मंदिर मकरविलक्कू उत्सव के लिए 30 दिसम्बर, 2023 को खुलेगा। आगामी 15 जनवरी 2024 को मकरविलक्कू दर्शन के बाद 20 जनवरी 2024 को उत्सव का समापन होगा। त्योहारी सीजन के दौरान लगभग 13,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा और राज्य के स्वामित्व वाली केएसआरटीसी विभिन्न स्थानों से पंबा तक प्रतिदिन 500 बसें चलाएगी।

भोजपुरी फिल्म राजाराम में विलेन की भूमिका में आर्यन बब्बर

मुंबई (वार्ता)। अभिनेता आर्यन बब्बर भोजपुरी फिल्म राजाराम में विलेन की भूमिका में नजर आयेंगे। फिल्म रेडी में सलमान खान से लोहा ले चुके आर्यन बब्बर अब टेक्नीशियन फ़िल्म फैक्ट्री के बैनर तले बन रही फिल्म राजाराम में मुख्य विलन की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में आर्यन,खेसारीलाल यादव से टक्कर लेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों गोरखपुर के खूबसूरत लोकेशन पर चल रही है, जिसके निर्देशक पराग पाटिल है। फिल्म की मुख्य भूमिका में खेसारी लाल यादव और राहुल शर्मा नजर आने वाले है। इस फिल्म के निर्माता पराग पाटिल और राकेश रौशन सिंह है। आर्यन बब्बर ने फिल्म राजाराम को लेकर कहा कि यह बड़े बैनर की फिल्म है और यह मेरे लिए बड़ी ऑपर्च्युनिटी है। फिल्म की कास्ट एंड क्रू बेहद उत्साहित करने वाली है। इस फिल्म में मेरी भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण है।

2024 में वर्ल्ड टूर करेंगी नोरा फतेही

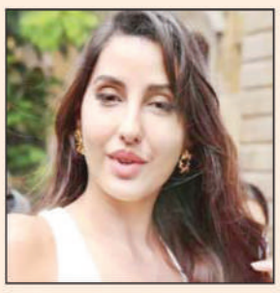

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही 2024 की शुरुआत में एक ग्रैंड वर्ल्ड टूर पर निकलेंगी। इस दौरान वह न केवल अपने बॉलीवुड सोलो गानों पर परफॉर्म करेंगी, बल्कि एक नए इंटरनेशनल ट्रैक का भी अनावरण करेंगी। इस टूर में उनके वोकल टैलेंट का भी परफॉर्मेंस होगा, साथ ही कुछ और बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस भी देखने को मिलेंगे। जैसे-जैसे उनके वर्ल्ड टूर के चलते उनके प्रोफेशनल लाइफ में एक नया मोड़ आ रहा है, नोरा फतेही भी अपकमिंग फिल्मों की सूची में अभिनय करने के लिए तैयार हो रही हैं। वह वरुण तेज की फिल्म 'मटका' से तेलुगु में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

फेक वीडियो का पता कैसे लगा सकते हैं आप

वाशिंगटन (द कन्वरसेशन)। इस्राइल और हमास में चल रहे संघर्ष पर नज़र रखने वाले लोगों ने सोशल मीडिया पर दो वीडियो देखे होंगे। एक वीडियो में एक छोटा लड़का अपने पिता के शव के आसपास मँडराता हुआ अरबी में यह कहते हुए रो रहा है, 'मुझे छोड़कर मत जाओ।' दूसरे में एक गर्भवती महिला को दिखाया गया है, जिसका पेट खुला हुआ है और इसमें 7 अक्टूबर, 2023 को इस्राइल में हमास के हमले के बाद पीड़ितों के शवों को संभालने वाले एक अर्धसैनिक की गवाही का दस्तावेजीकरण करने का दावा किया गया है।

भले ही ये वीडियो इस्राइल-हमास युद्ध के विभिन्न पक्षों से आते हैं, लेकिन दोनों वीडियो वास्तविक होते हुए भी इनका उन घटनाओं से कोई लेना-देना नहीं है जिनका वे प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। लड़के की क्लिप 2016 में सीरिया की है; महिला वाला वीडियो 2018 का मेक्सिको से है। हाल की सुर्खियाँ परिष्कृत, एआई-संचालित डीपफेक के बारे में चेतावनी देती हैं। लेकिन यह इस तरह की कम तकनीक वाली सस्ती नकली चीज़ें हैं जो दुष्प्रचार के नवीनतम दौर को बढ़ावा देती हैं।

तारीख बदलना, स्थान बदलना या यहां तक कि वीडियो गेम से एक क्लिप को दोबारा तैयार करना और इसे युद्धक्षेत्र के रूप में पेश करने में बहुत ज्यादा जानकार होने की आवश्यकता नहीं है लेकिन यह प्रभावी रूप से भ्रम पैदा करता है।

अच्छी खबर यह है कि आप इन चालों में फंसने से बच सकते हैं -सबूतों की बारीकी से जांच करके नहीं, जो आपको गुमराह कर सकते हैं, बल्कि तब तक इंतजार करके जब तक कि आप जो देख रहे हैं उसे विश्वसनीय स्रोत सत्यापित न कर लें। हालाँकि, ऐसा करना कठिन होता है। अधिकांश लोग इस प्रकार की चालाकी का पता लगाने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित नहीं हैं। जिस शोध की नई पुस्तक, 'वेरिफाइड : हाउ टू थिंक स्ट्रेट, गेट डूप्ड लैस, एंड मेक बैटर डिसीजंस एबाउट व्हाट टू बिलीव ऑनलाइन' में समीक्षा की गई है, यह दर्शाता है कि लगभग हर कोई इसके झांसे में आ जाता है। अपनी तरह के सबसे बड़े सर्वेक्षण में, 3,446 हाई स्कूल के छात्रों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो का मूल्यांकन किया, जिसमें 2016 के डेमोक्रेटिक प्राइमरी में चुनावी धोखाधड़ी दिखाने का दावा किया गया था।

छात्र पूरा वीडियो, उसका कुछ भाग देख सकते हैं या इसके बारे में जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने के लिए फुटेज छोड़ सकते हैं। अपने ब्राउज़र में कुछ कीवर्ड टाइप करने से छात्रों को स्नोप्स और बीबीसी के वीडियो को खारिज करने वाले लेखों तक ले जाया जा सकता था। केवल तीन छात्रों - 1 प्रतिशत के दसवें हिस्से से भी कम - ने वीडियो के वास्तविक स्रोत का पता लगाया, जो वास्तव में, रूस में शूट किया गया था। छात्रों को लगातार इतना धोखा क्यों दिया गया? हमने पाया है कि समस्या यह है कि बहुत से लोग, युवा और बूढ़े, समान रूप से सोचते हैं कि वे किसी चीज को ऑनलाइन देख सकते हैं और बता सकते हैं कि यह क्या है।

प्रतिभा और स्क्रिप्ट की ओर दुनिया का झुकाव

नई दिल्ली (आईएएनएस)। हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली कृति सेनन ने वोग इंडिया को बताया कि उद्योग जगत से जुड़े बिना एक इंजीनियरिंग ग्रेजुएट यहां कैसे पहुंची, जहां उन्हें अब से पांच साल बाद भी खुद को देखने की उम्मीद है। बॉलीवुड उद्योग बाहरी लोगों के लिए कैसे अधिक सुलभ हो सकता है, इस पर सेनन ने कहा, यदि हम समान अवसर पैदा करना शुरू कर दें तो उद्योग बाहरी लोगों के लिए अधिक सुलभ हो सकता है। यदि आप उद्योग से किसी को लॉन्च कर रहे हैं तो सुनिश्चित करें कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को भी जगह दे रहे हैं जो इससे संबंधित नहीं है। लेकिन, वह अधिक प्रतिभाशाली है। धीरे-धीरे दुनिया का झुकाव सितारों और बड़े नामों के बजाय प्रतिभा और स्क्रिप्ट की ओर हो रहा है। उनके लिए आगे क्या है, इस पर सेनन कहती हैं, मैंने विजन बोर्ड और मैनिफेस्टिंग पर बहुत सारे वीडियो देखे हैं जो कहते हैं कि यदि आपको विश्वास है कि कुछ हो सकता है, तो यह होगा। लेकिन, मेरे साथ मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं किसी विशेष मील के पत्थर का बेसब्री से पीछा करती हूं, तो ऐसा नहीं होता है। शायद अब से पांच साल बाद मैं अपने माता-पिता के लिए एक घर खरीद लूं, क्योंकि मेरी मां की इच्छा हर दिन बगीचे में चाय पीने की है। वह एक साथी में क्या चाहती हैं और किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढती हैं जो छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देता है, वह कहती है, जिन लोगों से मैं प्यार करती हूं उनकी देखभाल करने के लिए मेरे पास एक वास्तविक प्रवृत्ति है। ठंड लगने की स्थिति में सिनेमा देखने जाते समय जैकेट ले जाना या देर तक काम करने के बाद घर वापस आने पर सोच-समझकर खाना ऑर्डर करना जैसी महत्वहीन बात किसी रिश्ते को इतना सार्थक बना सकती है।

कृति सेनन

जुरासिक पार्क बेस्ट ब्लॉकबस्टर

डर्बलिन (द कन्वरसेशन)। जुरासिक पार्क यकीनन सर्वश्रेष्ठ हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर है। खूंखार और विशालकार मानवभक्षी डायनासोर का साकार रूप, तनावपूर्ण एक्शन दृश्यों और अभूतपूर्व सिनेमैटोग्राफी के अलावा, 1993 में रिलीज हुई यह फिल्म विज्ञान आधारित सिनेमा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर थी।जब वैश्विक दर्शक रक्तरंजित एक्शन का आनंद ले रहे थे, फिल्म का आधार - डायनासोर को पुनर्जीवित करने के लिए एम्बर में संरक्षित जीवाश्म कीड़ों से डीएनए निकालना -को जीवाश्म एम्बर पर कई हाई-प्रोफाइल अध्ययनों द्वारा प्रकाशन की विश्वसनीयता दी गई थी। लेखकों ने एम्बर से प्राचीन डीएनए पुनर्प्राप्त किया, और यहां तक कि एम्बर-होस्टेड बैक्टीरिया को भी पुनर्जीवित किया। लग रहा था कि दुनिया वास्तविक जीवन के जुरासिक पार्क के लिए तैयार है।लेकिन तब से लेकर अब तक विज्ञान में कई मोड़ आए हैं।

जीवाश्म विज्ञानियों की बढ़ती संख्या डीएनए और प्रोटीन के साक्ष्य बता रही है, जो जीवाश्मों में आनुवंशिक जानकारी भी देते हैं। ये रासायनिक निशान प्राचीन जीवन और विकास में अभूतपूर्व अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन ऐसी रिपोर्टें वैज्ञानिकों के बीच चल रही बहस और विवाद का स्रोत हैं। नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हालिया अध्ययन इस संबंध में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। अन्य अणुओं की तुलना में डीएनए सबसे विस्तृत जानकारी देता है कि प्रजातियां कितनी निकटता से संबंधित हैं। हालाँकि, डीएनए बेहद नाजुक होता है और किसी जीव के मरने के बाद तेजी से नष्ट हो जाता है। जैसा कि कहा गया है, डीएनए कभी-कभी ध्रुवीय जलवायु में भी जीवित रह सकता है, क्योंकि जमा देने वाला तापमान क्षय को धीमा कर देता है। भूवैज्ञानिक रूप से युवा डीएनए (हजारों वर्ष पुराना) में पिछले हिमयुग से लेकर हाल के दिनों तक विलुप्त जानवरों को पुनर्जीवित करने की क्षमता है। प्लेइस्टोसिन पार्क, कोलोसल और रिवाइव एंड रिस्टोर जैसी वाणिज्यिक कंपनियां ऊनी मैमथ और संदेशवाहक कबूतर को वापस लाने की परियोजनाओं पर काम कर रही हैं।

इन मैमथों और डायनासोरों के बीच एक लंबा समय का अंतर है, जो छह करोड़ 60 लाख वर्ष पहले विलुप्त हो गए थे। हालाँकि, कुछ सबूत हैं कि आनुवंशिक सामग्री इन समय-सीमाओं पर भी जीवाश्मों में जीवित रह सकती है। उदाहरण के लिए, जीवाश्म गुणसूत्र - एक कोशिका से छोटे डीएनए के टुकड़े - 18 करोड़ वर्ष पुराने पौधों और सात करोड़ 50 लाख वर्ष पुराने डायनासोर में पाए गए हैं। हालाँकि, वैज्ञानिकों को अभी तक इस बात का प्रमाण नहीं मिला है कि वास्तविक डीएनए लाखों वर्षों तक जीवित रह सकता है।

- 30 साल बाद आज भी वैज्ञानिक इसे साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।
- 1993 में रिलीज फिल्म जुरासिक पार्क विज्ञान आधारित सिनेमा के क्षेत्र में मील का पत्थर थी।
- फिल्म का आधार - डायनासोर को पुनर्जीवित करने के लिए एम्बर में संरक्षित जीवाश्म से डीएनए निकालना - को कई हाई-प्रोफाइल अध्ययनों द्वारा प्रकाशन की विश्वसनीयता दी थी।
- लेखकों ने एम्बर से प्राचीन डीएनए पुनर्प्राप्त किया, और यहां तक कि एम्बर-होस्टेड बैक्टीरिया को भी पुनर्जीवित किया। ऐसा लग रहा था कि दुनिया वास्तविक जीवन के जुरासिक पार्क के लिए तैयार है।
- अन्य अणुओं की तुलना में डीएनए सबसे विस्तृत जानकारी देता है कि प्रजातियां कितनी निकटता से संबंधित हैं। हालाँकि, डीएनए बेहद नाजुक होता है और किसी जीव के मरने के बाद तेजी से नष्ट हो जाता है।
- डीएनए कभी-कभी ध्रुवीय जलवायु में भी जीवित रह सकता है, क्योंकि जमा देने वाला तापमान क्षय को धीमा कर देता है। भूवैज्ञानिक रूप से युवा डीएनए (हजारों वर्ष पुराना) में पिछले हिमयुग से लेकर हाल के दिनों तक विलुप्त जानवरों को पुनर्जीवित करने की क्षमता है।
- फिल्म रिलीज होने के 30 साल बाद भी वैज्ञानिक इस बारे में प्रयासरत हैं। प्लेइस्टोसिन पार्क, कोलोसल और रिवाइव एंड रिस्टोर जैसी वाणिज्यिक कंपनियां ऊनी मैमथ और संदेशवाहक कबूतर को वापस लाने की परियोजनाओं पर काम कर रही हैं।

प्रोटीन जानकारी को कोडित भी करते हैं (अमीनो एसिड अनुक्रम के रूप में) जो प्रजातियों के बीच विकासवादी संबंधों पर प्रकाश डाल सकते हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रोटीन डीएनए की तुलना में अधिक समय तक जीवित रह सकता है। वास्तव में, शोधकर्ताओं ने जीवाश्म प्रोटीन के कई उदाहरण पाए हैं, विशेष रूप से कोलेजन (संयोजी ऊतकों में पाया जाने वाला एक प्रोटीन) के अक्षुण्ण अमीनो एसिड अनुक्रम, लेकिन ये अधिक से अधिक कुछ लाख वर्ष पुराने हैं। वैज्ञानिकों को यह उम्मीद नहीं है कि बड़े प्रोटीन के टुकड़े इन छोटे टुकड़ों की तरह लंबे समय तक जीवित रहेंगे। इसलिए 2007 में टायरानोसोरस रेक्स हड्डी में 6 करोड़ 80 लाख वर्ष पुराने कोलेजन के टुकड़ों की रिपोर्ट से वैज्ञानिक समुदाय आश्चर्यचकित हो गया। हालाँकि जल्द ही विवाद उत्पन्न हो गया क्योंकि टीम की कार्यप्रणाली के बारे में चिंताएँ बढने लगीं, जैसे कि संदूषण की संभावना और कठोर नियंत्रण और स्वतंत्र सत्यापन की कमी।

इसी तरह की बहस 13करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्मों में नष्ट हुए प्रोटीन और कोलेजन फाइबर की हालिया रिपोर्टों को लेकर है। ये अध्ययन जीवाश्मों के साथ काम करने की कठिनाइयों को उजागर करते हैं, विशेष रूप से विश्लेषणात्मक तरीकों का उपयोग करते हुए जो प्राचीन ऊतकों पर उपयोग करने के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं। हालाँकि, जीवाश्म प्रोटीन अवशेषों के जीवित रहने के साक्ष्य सम्मोहक साबित हुए हैं। ये अध्ययन अन्य शोधकर्ताओं को नई विधियों और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोणों का पता लगाने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं जो जीवाश्मों के साथ उपयोग के लिए बेहतर अनुकूल हो सकते हैं। एक नया अध्ययन ऐसे ही एक दृष्टिकोण की खोज करता है, जिसमें प्राचीन पंखों के नमूनों को विकिरणित करने के लिए प्रकाश की एक केंद्रित किरण और एक्स-रे का उपयोग किया जाता है। ये तकनीकें बताती हैं कि कौन से रासायनिक बंधन मौजूद हैं, जिससे प्रोटीन की संरचना के बारे में जानकारी मिलती है। बदले में, यह हमें जीवाश्म पंखों में प्रोटीन के निशान का पता लगाने में मदद करता है। 12 करोड़ 50 लाख वर्ष पुराने पंख वाले डायनासोर सिनोर्निथोसॉरस के हमारे विश्लेषण से प्रचुर मात्रा में नालीदार प्रोटीन संरचनाओं का पता चला, जो बीटा-केराटिन नामक प्रोटीन के अनुरूप है, जो आधुनिक पंखों में आम है। सर्पिल प्रोटीन संरचनाएं (अल्फा-केराटिन नामक एक अन्य प्रोटीन का संकेत) केवल थोड़ी मात्रा में मौजूद थीं। जब प्रयोगशाला प्रयोगों में जीवाश्मीकरण की प्रक्रिया का अनुकरण किया, तो पाया गया कि गर्म होने पर नालीदार प्रोटीन संरचनाएं खुल जाती हैं और सर्पिल संरचनाएं बनाती हैं।

निष्कर्षों से पता चलता है कि प्राचीन पंख रसायन विज्ञान में आधुनिक पंखों के समान थे। इससे यह भी पता चलता है कि जीवाश्मों में सर्पिल प्रोटीन संरचनाएँ संभवतः जीवाश्मीकरण प्रक्रिया की देन हैं। लेकिन अंततः, हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि प्रोटीन के अंश सैकड़ों लाखों वर्षों तक जीवित रहते हैं। जीवाश्म विज्ञानी आज उन तकनीकों का उपयोग करके प्राचीन अणुओं के साक्ष्य के लिए जीवाश्मों का परीक्षण कर सकते हैं जो 30 साल पहले उपलब्ध नहीं थे। इससे हमें जीवाश्म जानवरों में अणुओं के टुकड़ों की पहचान करने में मदद मिली है जो दसियों से करोड़ों वर्ष पुराने हैं।वैज्ञानिकों ने पांच करोड़ वर्ष पुराने कीड़ों में हीमोग्लोबिन, लाल रक्त कोशिकाओं में एक प्रोटीन, और 20 करोड़ वर्ष पुराने स्क्विड की स्याही की थैलियों में मेलेनिन वर्णक की खोज की है। अंततः शोधकर्ताओं को प्रजातियों को पुनर्जीवित करने के लिए अक्षुण्ण डीएनए की आवश्यकता है। इसलिए यद्यपि वैज्ञानिकों ने बहुत प्रगति की है, लेकिन विज्ञान परिकल्पना में संभावना है।

खबर संक्षेप

इरेडा के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिये मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति इक्विटी शेयर रखा है। 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ आवेदन के लिये 21 नवंबर को खुलेगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर है।

अमेरिका में बेरोजगारी के दावे बढ़कर 2.31 लाख

न्यूयॉर्क। अमेरिका में पिछले सप्ताह बेरोजगारी दावों की संख्या में उछाल आया है। हालांकि, महंगाई दर में नरमी और ऊंची ब्याज दरों के बावजूद मोटे तौर पर श्रम बाजार 'स्वस्थ' बना हुआ है। श्रम विभाग ने बताया कि 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदनों की संख्या 13,000 बढ़कर 2,31,000 पर पहुंच गई।

विलय व अधिग्रहण सौदों का मूल्य घटा

मुंबई। सलाहकार फर्म ग्रांट थॉर्नटन ने कहा कि अक्टूबर में हुए विलय एवं अधिग्रहण सौदों का मूल्य सितंबर की तुलना में 41 प्रतिशत घटकर 2.15 अरब डॉलर रहा। सितंबर में 3.65 अरब डॉलर मूल्य के सौदे हुए थे। ग्रांट थॉर्नटन भारत ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि भले ही सौदों का मूल्य अक्टूबर में गिर गया लेकिन सौदों की संख्या के लिहाज से यह बढ़कर 122 पर पहुंच गया।

फेडफिना का आईपीओ 22 नवंबर को खुलेगा

मुंबई। फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज (फेडफिना) की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 1,092 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अनिल कोथुरी ने यहां पत्रकारों से कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के असुरक्षित ऋण पर जोखिम भार बढ़ाने के परिपत्र से उधार लेने की लागत में वृद्धि होगी।

गंगाधर ऑयल का आईपीओ खुलेगा 22 नवंबर को

नई दिल्ली। गंगाधर ऑयल रिफाइनरी इंडिया लिमिटेड का आईपीओ 22 नवंबर को खुलेगा और 24 नवंबर को बंद होगा। आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे के मुताबिक, इस निर्गम में 302 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। मौजूदा शेयरधारकों के पास रखे 1.17 करोड़ शेयरों की भी बिक्री पेशकश लाई जाएगी।

होंडा एलिवेट जापानी बाजार में होगी पेश

नई दिल्ली। जापान की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी होंडा अगले साल जापान के बाजार में अपनी भारत निर्मित मध्यम आकार की एसयूवी एलिवेट पेश करने को तैयार है। जापान की कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित उत्पाद को अत्यधिक विनियमित जापानी बाजार में निर्यात करने का पहला मौका होगा। राजस्थान स्थित उत्पादन सुविधा में एलिवेट का उत्पादन कर रही है। भारत में सफल शुरुआत के बाद एलिवेट को डब्ल्यूआर-वी ब्रांड नाम के तहत जापानी बाजार में 2024 वसंत में पेश किया जाएगा।'

अदाणी के निशाने पर अब एक और सीमेंट कंपनी, जिंदल व मित्तल भी दौड़ में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीमेंट बिजनेस को बढ़ाने के लिए आक्रामक तरीके से काम कर रहे गौतम अदाणी के निशाने पर अब एक और कंपनी आई हुई है। हालांकि इस बार गौतम अदाणी की राह आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि उनकी टक्कर सज्जन जिंदल और लक्ष्मी निवास मित्तल जैसे उद्योगपतियों से होने वाली है। दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही सीमेंट कंपनी को खरीदने में अदाणी के अलावा जिंदल और मित्तल भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

- दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही वडराज सीमेंट

दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही यह कंपनी वडराज सीमेंट है। वडराज सीमेंट एबीजी शिपयार्ड ग्रुप की कंपनी है, जिसके खिलाफ ट्रेड क्रेडिटर ब्यूमर टेक्नोलॉजी इंडिया ने रिकवरी के लिए कोर्ट की शरण ली थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अगस्त 2018 में वडराज सीमेंट को वाइंड अप करने का ऑर्डर दिया था। अब कंपनी दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार वडराज सीमेंट के लिए बोली लगाने वाली संभावित कंपनियों में अदाणी समूह की एक कंपनी, सज्जन जिंदल की जेएसडब्ल्यू सीमेंट और लक्ष्मी मित्तल का आर्सेलर मित्तल ग्रुप शामिल है।

कंपनी के पास ये एसेट : वडराज सीमेंट के पास जो एसेट हैं, वो इसे अदाणी समूह के लिए स्ट्रेटजिक बना देते हैं। वडराज सीमेंट के पास कच्छ में सीमेंट मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी है। कंपनी के पास लाइमस्टोर के माइनिंग राइट्स भी हैं। कंपनी के पास सूरत में 6 एमटी क्षमता वाली सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट भी है। कंपनी के कर्जदाताओं को दिवाला प्रक्रिया में संभावित खरीदारों से 2000 से 2500 करोड़ रुपए की बोली की उम्मीद है।

वडराज सीमेंट एबीजी शिपयार्ड ग्रुप की कंपनी है

एनसीएलटी के पास आया काम

जब ब्यूमर टेक्नोलॉजी इंडिया ने अपने बकाए की रिकवरी के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था, तब कोर्ट ने कंपनी को बंद करने का आदेश दिया था। हालांकि कंपनी की संपत्तियों को बेचने की प्रक्रिया धीमी होने से नाराज होकर कोर्ट ने सीमेंट कंपनी के डेट रिजॉल्यूशन प्रोसेस को आईबीसी के पास ट्रांसफर करने की सहमति दे दी थी। अब एनसीएलटी के तहत कंपनी की दिवाला प्रक्रिया चलने वाली है।

अदाणी समूह की स्थिति

अदाणी समूह की बात करें तो सीमेंट इंडस्ट्री में अब समूह की अहम भूमिका है। अदाणी समूह एसीसी और अंबुजा सीमेंट को खरीदकर सीमेंट उत्पादन के मामले में भारत में एक झटके में दूसरे नंबर पर पहुंच गया था। अभी अदाणी समूह की सालाना क्षमता 67.5 एमटी सीमेंट का उत्पादन करने की है। अल्ट्राटेक सीमेंट 137.5 एमटी की क्षमता के साथ पहले स्थान पर है।

आरबीआई ने इस संबंध में जारी की अधिसूचना

बैंकों को निर्यात राशि के लिए अतिरिक्त चालू खाता खोलने की मिली अनुमति

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निर्यातकों को परिचालन के स्तर पर चीजें सुगम बनाने को लेकर निर्यात से प्राप्त राशि के लिये रुपये में विशेष वोस्ट्रो खाते के अलावा अतिरिक्त चालू खाता खोलने की शुक्रवार को अनुमति दी।

आरबीआई ने एक अधिसूचना में कहा कि 11 जुलाई, 2022 के केंद्रीय बैंक परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता रखने वाले बैंकों को अपने निर्यात लेनदेन के निपटान को लेकर एक अतिरिक्त विशेष चालू खाता खोलने की अनुमति है।

रुपए में वैश्विक समुदाय की बढ़ी रूचि

निर्यातकों के लिए परिचालन के मोर्चे पर चीजें सुगम बनाने को यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय बैंक ने जुलाई, 2022 में घरेलू मुद्रा में वैश्विक समुदाय की बढ़ती रुचि को देखते हुए बैंकों से भारतीय रुपये में निर्यात और आयात लेनदेन के लिये अतिरिक्त व्यवस्था करने को कहा था।

भारतीय रुपए में निर्यात और आयात लेनदेन की होगी व्यवस्था

- निर्यात राशि के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते की अनुमति
- परिचालन के मोर्चे पर चीजें सुगम बनाने उठाया कदम

भारत से निर्यात पर जोर

अधिसूचना में कहा गया है, 'भारत से निर्यात पर जोर देने के साथ वैश्विक व्यापार की वृद्धि को बढ़ावा देने और भारतीय रुपये में वैश्विक व्यापारिक समुदाय की बढ़ती रुचि को देखते हुए निर्यात/आयात बिल, भुगतान और निपटान के लिये एक अतिरिक्त व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है।'

भारत रुपए में व्यापार को बढ़ावा दे रहा

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद भारत रुपये में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। आरबीआई ने जुलाई, 2022 में रुपये में भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के निपटान की अनुमति देने का निर्णय लिया। इसके तहत, अधिकृत भारतीय बैंकों को भागीदार व्यापारिक देश के बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते खोलने की अनुमति दी गयी।

ई-कॉमर्स उद्योग की निर्यात के लिए एफडीआई की मांगी

नई दिल्ली। विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने शुक्रवार को कहा कि ई-कॉमर्स उद्योग ने सरकार को केवल निर्यात मकसद से ऑनलाइन कारोबार के 'इन्वेंट्री' यानी माल भंडार आधारित मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने का सुझाव दिया है। 'इन्वेंट्री' आधारित मॉडल में ऑनलाइन कामकाज करने वाली कंपनियां स्वयं अपना सामान रखती हैं और उसे सीधे ग्राहकों को बेचती हैं। देश की मौजूदा एफडीआई नीति के तहत ई-कॉमर्स के 'इन्वेंट्री-आधारित मॉडल' में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति नहीं है। इसकी अनुमति केवल उन कंपनियों में है जो 'मार्केट प्लेस' मॉडल के माध्यम से काम कर रही हैं।

निर्यात को बढ़ावा देने कई स्तर पर कामः सारंगी ने कहा कि सरकार ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कई स्तरों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स से जुड़े विभिन्न पक्षों ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से इस संदर्भ में एफडीआई नीति पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है।

नियमों पर दोबारा विचार का अनुरोध : विदेश व्यापार महानिदेशक ने उद्योग मंडल फिक्की के ई-कॉमर्स विषय पर आयोजित सम्मेलन में कहा, 'अगर निर्यात उद्देश्यों के लिये इन नियमों पर दोबारा गौर किया जा सकता है, तो हम डीपीआईआईटी से इसपर विचार करने का अनुरोध कर रहे हैं। यह ई-कॉमर्स निर्यात क्षेत्र बनाने को लेकर महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

भारतीय शेयरों में एफपीआई का निवेश 15 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में घरेलू शेयरों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश का मूल्य 15 प्रतिशत बढ़कर 651 अरब डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह आंकड़ा पेश किया गया है।

मॉर्निंगस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, एफपीआई के निवेश का मूल्य बढ़ने की प्रमुख वजह भारतीय शेयर बाजारों करा अच्छा प्रदर्शन है। इसके अलावा उनका शुद्ध प्रवाह भी मजबूत रहा है, जिससे निवेश मूल्य बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश का मूल्य सितंबर, 2023 के अंत में 651 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 566 अरब डॉलर था। वहीं तिमाही आधार पर एफपीआई का निवेश मूल्य चार प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल-जून तिमाही में इस तरह के निवेश का मूल्य 626 अरब डॉलर था। हालांकि, भारतीय शेयर बाजार के मूल्यांकन में एफपीआई का योगदान आलोच्य तिमाही में मामूली रूप से गिरकर 16.95 प्रतिशत रह गया। यह जून तिमाही में 17.33 प्रतिशत था। विदेशी निवेशकों ने सितंबर तिमाही के अधिकांश हिस्से में 5.38 अरब डॉलर के शुद्ध निवेश के साथ भारतीय शेयर बाजारों में खरीदारी का सिलसिला जारी रखा। रिपोर्ट कहती है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्थिर आय वृद्धि की बहाली, टिकाऊ वृहद-आर्थिक बुनियाद और चीन की अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों को देखते हुए जुलाई में भारतीय शेयरों में 5.68 अरब डॉलर डाले।

- सितंबर तिमाही में 651 अरब डॉलर पर
- वजह भारतीय शेयर बाजार का अच्छा प्रदर्शन

अमेरिका और यूरो बाजार में आर्थिक अनिश्चितता

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और यूरो क्षेत्रों में जारी आर्थिक अनिश्चितताओं के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण ऐसा हुआ। इसके अलावा अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड का प्रतिफल बेहतर होने का भी असर पड़ा। एफपीआई ने अक्टूबर में भी 2.95 अरब डॉलर की शुद्ध संपत्ति बेची है।

सेंसेक्स 188 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को दो दिन की तेजी पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 188 अंक की गिरावट आई। वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच बैंक, वित्तीय और ऊर्जा शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा।

हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में नरमी और ताजा पूंजी प्रवाह से इस गिरावट पर कुछ अंकुश लगा। बैंक और एनबीएफसी कंपनियों के शेयरों में गिरावट का कारण भारतीय रिजर्व बैंक का बृहस्पतिवार का फैसला है। इसमें आरबीआई ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिये असुरक्षित माने जाने वाले व्यक्तिगत कर्ज से जुड़े नियमों को कड़ा किया है। इस पहल का मकसद वित्तीय संस्थानों को व्यक्तिगत कर्ज को लेकर सचेत करना है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 187.75 अंक गिरावट के साथ 65,794.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 342.74 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 33.40 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,731.80 अंक पर बंद हुआ। आरबीआई के असुरक्षित कर्ज के लिये जोखिम भार बढ़ाने के कदम से बैंक शेयर नुकसान में रहे।

- बैंक, वित्तीय शेयरों में रही बिकवाली
- वैश्विक बाजारों में रहा मिला जुला रुख

जियो ने 32 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा कंपनी रिलायंस जियो ने अगस्त में 32.4 लाख नए ग्राहक जोड़े हैं। इसके साथ उसके वायरलेस कनेक्शन की संख्या 44.57 करोड़ को पार कर गई है। दूरसंचार नियामक ट्राई ने यह जानकारी दी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त के महीने में भारती एयरटेल ने 12.17 लाख वायरलेस ग्राहक मिले और उसके मोबाइल ग्राहकों की संख्या बढ़कर 37.64 करोड़ हो गई। दूसरी तरफ नकदी संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने इस महीने में 49,782 कनेक्शन गंवाए। इसके साथ ही वोडाफोन आइडिया के वायरलेस ग्राहकों की संख्या घटकर 22.82 करोड़ रह गई। आंकड़ों के मुताबिक, रिलायंस जियो ने अगस्त में 32.45 लाख नए ग्राहक जोड़ने के साथ देश के सबसे बड़े मोबाइल ऑपरेटर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की।

चांदी में 1,200 रुपए की रही उछाल

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 540 रुपये की तेजी के साथ 61,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,210 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,200 रुपये के उछाल के साथ 76,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेजी के रुख से सोने की कीमतों को समर्थन मिला। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत तेजी के साथ 1,984 डॉलर प्रति औंस हो गई। चांदी भी बढ़त के साथ 23.86 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

- सोने में 540 रुपए की तेजी

सोना नई साप्ताहिक ऊंचाई पर पहुंचा : गांधी ने कहा कि अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों में श्रम-बाजार की बढ़ती कमजोरी के संकेतों से सोना एक नई साप्ताहिक ऊंचाई पर पहुंच गया, जिससे फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर नियंत्रण रखने की उम्मीदें बढ़ी हैं।

पतंजलि जैविक अनुसंधान द्वारा 'योगाहार' कार्यक्रम का 928वां दिन सम्पन्न

भोपाल। पतंजलि जैविक अनुसंधान संस्थान हरिद्वार द्वारा देश के विभिन्न राज्यों से आए किसानों के साथ ऑनलाइन स्वैच्छिक 'योगाहार' कार्यक्रम का 928वां दिन सम्पन्न हुआ। इस दिन का विषय 'मृदा स्वास्थ्य' था और चर्चा में यह बात सामने आई कि मृदा स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टि से काम करने की आवश्यकता है। मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की प्रचुरता, पोषक तत्वों की प्रचुरता और जल धारण क्षमता की उपलब्धता मिलकर फसलों के लिए जीवन शक्ति की निरंतरता को निर्धारित करती है।

आरंभ में पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के शपवन कुमार ने योगाहार कार्यक्रम और प्रस्तुतियों के विषय के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उसके बाद चर्चा हुई। इसके पश्चात डॉ. मनोहारी राठी और तरूण शर्मा ने 'मृदा स्वास्थ्य' पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित सदस्यों का ध्यान मिट्टी की नमी मापने के लिए अपनाई गई पद्धति, पहचाने गए उपकरणों, केंचुआ गिनती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, धरती का डॉक्टर और मृदा स्वास्थ्य सीढ़ी चार्ट पर आकर्षित किया। इसी क्रम में डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि फसल अवशेषों को लगातार खेत में देने से मिट्टी को खेत से ही वांछित पोषण मिल जाता है, जिससे मिट्टी समग्र रूप से स्वस्थ रहती है और किसान को अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ती है।

- मृदा स्वास्थ्य पर की गई चर्चा

60 किसान प्रतिनिधियों ने लिया भाग

योगाहार की 928वीं कड़ी में देश के विभिन्न राज्यों से 60 से अधिक किसान प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रमेश चन्द्र मेहरा, शरद वर्मा, नरेन्द्र वर्मा, डॉ. किशोर दुबे, डॉ. विनोद भट्ट ने भी अपने अनुभव साझा किये। अंत में धन्यवाद ज्ञापन मुन्नीलाल यादव ने किया।

एमएससीआई इंडेक्स में मिली एनर्जी, बैंकिंग समेत 9 कंपनियों को एंट्री

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल यानी एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में बदलाव हुआ है। इस इंडेक्स में इंडसइंड बैंक, सुजलॉन एनर्जी और वन 97 कम्युनिकेशंस सहित नौ कंपनियों को जोड़ा गया है। ये 30 नवंबर, 2023 से प्रभावी होगा। इस सूची में कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

चालू वित्त वर्ष में आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बिक्री पर संदेह

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बिक्री की प्रक्रिया संभवतः चालू वित्त वर्ष में पूरी नहीं हो पाएगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह बात कही। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि यह रणनीतिक बिक्री कार्यक्रम राह पर है, लेकिन अभी रिजर्व बैंक के उपयुक्त एवं उचित मानदंड जैसे कुछ पहलुओं को पूरा करने की जरूरत है। पांडेय ने यहां उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'हमें व्यावहारिक रूप से नहीं लगता कि मार्च से पहले हम इसे (आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बिक्री) पूरा कर पाएंगे।' उनसे पूछा गया था कि क्या विभाग चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 51,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य हासिल कर पाएगा। सरकार के पास आईडीबीआई बैंक की 45 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसके अलावा जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पास बैंक की 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दोनों ने बैंक में संयुक्त रूप से 60.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है।

एनएमडीसी के शेयर बिक्री को लेकर संदेह : पांडेय ने कहा कि विनिवेश लक्ष्य काफी हद तक आईडीबीआई बैंक जैसे महत्वपूर्ण सौदों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एनएमडीसी की शेयर बिक्री को लेकर भी 'कुछ अनिश्चितता' है। इससे विभाग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद कर रहा है।

- दीपम के सचिव पांडे ने जताया अपना शक
- उचित मानदंड पूर्ण करने की जरूरत

हुआवेई का दावा 1.2 टेराबिट प्रति सेकेंड की स्पीड से डेटा ट्रांसमिट

चीन ने की सबसे तेज इंटरनेट सर्विस लांच, 1.2 टेराबिट की स्पीड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चाइनीज टेक कंपनी हुआवेई टेक्नोलॉजीज ने दुनिया की सबसे तेज इंटरनेट सर्विस लांच की है। कंपनी का दावा है कि उनका नेटवर्क 1.2 टेराबिट (टीबी) प्रति सेकेंड की स्पीड से डेटा ट्रांसमिट करने में सक्षम है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, हुआवेई टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट वांग लेई ने बताया कि इस नेटवर्क से सिर्फ एक सेकेंड में 150 हाई-डेफिनेशन (एचडी) फिल्मों के बराबर डेटा ट्रांसमिट कर सकता है। इसके अलावा यह नेटफ्लिक्स की सभी ग्लोबल कॉन्टेंट भेज सकता है। बता दें कि 1टीबी में 1024जीबी होते हैं।

- सिर्फ एक सेकेंड में 150 हाई-डेफिनेशन फिल्मों का डेटा ट्रांसमिट कर सकता है

कई कंपनियों ने मिलकर किया काम : कंपनी ने इसे टेस्टिंग के लिए जुलाई में एक्टिव किया था और अब इसे ऑफिशियल तौर पर लांच किया है। नेटवर्क ने सभी ऑपरेशनल टेस्ट को पार कर लिया है। इस सक्सेस के लिए सिंघुआ विश्वविद्यालय, चाइना मोबाइल, हुआवेई टेक्नोलॉजीज और सेनेट कॉर्पोरेशन ने मिलकर काम किया है।

अमेरिका और द. कोरिया से 10 गुना ज्यादा तेज

कंपनी ने दुनिया की पहली नेक्स्ट जनरेशन फाइबर इंटरनेट सर्विस शुरू की है। इसकी स्पीड अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 10 गुना ज्यादा बताई गई है। 3000 किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबलिंग में फैला यह नया बैकबोन नेटवर्क 1.2 टेराबिट्स (1,200 गीगाबिट्स) प्रति सेकंड पर डेटा ट्रांसमिट करता है। यह नेटवर्क उत्तर में बीजिंग, मध्य चीन में वुहान और दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग में गुआंगजो को जोड़ता है।

सबसे तेज डेटा ट्रांसफर का रिकॉर्ड जापान के नाम हालांकि, दुनिया में सबसे तेज डेटा ट्रांसफर का रिकॉर्ड जापान के नाम है। यहां के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी की लैब में हुई टेस्टिंग के दौरान इंटरनेट की स्पीड 319 टेराबाइट्स (टीबी) प्रति सेकेंड आई थी। इससे पहले बीते साल इसी तरह के एक टेस्ट में ये स्पीड 178 टेराबाइट (टीबी) प्रति सेकेंड आई थी। इस स्पीड से एक सेकेंड में 57,000 फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं।

दुनिया में अधिकतर जगह 100 जीबी/एस की स्पीड

इंडस्ट्री के कई एक्सपर्ट्स ने 2025 के आसपास 1 टेराबिट प्रति सेकेंड अल्ट्रा-हाई-स्पीड नेटवर्क के लांच होने का अनुमान लगाया था। दुनिया के अधिकांश इंटरनेट बैकबोन नेटवर्क वर्तमान में 100 गीगाबिट प्रति सेकेंड पर काम करते हैं, अमेरिका ने हाल ही में इसे शुरू किया है। चाइनीज एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग से एफआईटीआई प्रोजेक्ट लीडर वू जियानपिंग ने बताया कि सुपरफास्ट लाइन न सिर्फ सक्सेसफुली ऑपरेट हुई है, बल्कि चीन और भी तेज इंटरनेट बनाने के लिए काम कर रहा है।

एमएससीआई इंडेक्स में मिली एनर्जी, बैंकिंग समेत 9 कंपनियों को एंट्री

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल यानी एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में बदलाव हुआ है। इस इंडेक्स में इंडसइंड बैंक, सुजलॉन एनर्जी और वन 97 कम्युनिकेशंस सहित नौ कंपनियों को जोड़ा गया है। ये 30 नवंबर, 2023 से प्रभावी होगा। इस सूची में कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

भारतीय टीम की कोई वास्तविक कमजोरी नहीं : जोश हेजलवुड

कोलकाता (भाषा)। विश्व कप के महामुकाबले के लिए तैयार ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम में कोई वास्तविक कमजोरी नजर नहीं आती, लेकिन टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से सीख लेकर वह उसके शीर्ष क्रम को झकझोरने का प्रयास करेंगे। इन दोनों टीम के बीच लीग चरण के चेन्नई में खेले गए मैच में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। बल्लेबाजी में भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही थी और दूसरे ओवर तक उसका स्कोर दो विकेट पर तीन रन था।

ऑस्ट्रेलिया ने यहां दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना रविवार को अहमदाबाद में भारत से होगा। विश्व कप से पहले इन दोनों टीम के बीच तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेली गई थी जिसमें भारत ने 2-1 से जीत हासिल की थी। हेजलवुड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद भारत के साथ होने वाले मुकाबले के बारे में कहा,'हमने विश्व कप से पहले उनके खिलाफ श्रृंखला खेली थी जिसे हम 2-1 से हार गए थे। हमने एक दूसरे के खिलाफ काफी क्रिकेट खेली है। हम उनकी टीम के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं और वह भी हमारी टीम से अच्छी तरह वाकिफ हैं।'

उन्होंने कहा, 'उनकी टीम बेहतरीन है। पूरे टूर्नामेंट में उनका कोई सानी नहीं रहा। उनकी टीम में कोई वास्तविक कमजोरी नहीं है लेकिन हम रविवार को उनका मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।' इस तेज गेंदबाज ने कहा,'चेन्नई में जब वह छोटे लक्ष्य का पीछा कर रहे थे तो हमें तब उनकी कुछ मामूली कमियों का पता चला था। हम भाग्यशाली रहे जो हमने शुरू में ही उनके दो विकेट हासिल कर लिए थे।' विश्व कप के फाइनल में इससे पहले इन दोनों टीम का आमना सामना 2003 में हुआ था जिसमें आस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की थी।

फाइनल से पहले आसमान छूने लगे होटल और हवाई यात्रा के किराये

अहमदाबाद (भाषा)। गुजरात के अहमदाबाद में रविवार को भारत और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले फाइनल को देखने के लिए काफी लोग यहां पहुंचेंगे जिससे यहां होटल के कमरों का किराया और हवाई यात्रा का किराया आसमान छू रहा है।

- पांच सितारा होटल में एक रात का किराया दो लाख रुपये तक
- पांच हजार के हवाई टिकट के दाम 25 हजार रुपये तक बढ़े

विश्व कप फाइनल का खुमार बढने से शहर के शीर्ष पांच सितारा होटल में मैच की रात के लिए कमरे का किराया दो लाख रुपये तक पहुंच गया है जबकि अन्य होटलों ने भी अपने किराये में पांच से सात गुना बढोतरी कर दी है।

गुजरात के होटल एवं रेस्तरां संघों के महासंघ के अध्यक्ष नरेंद्र सोमानी ने कहा, 'विश्व कप फाइनल को देखते हुए सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेश जैसे दुबई, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के लोगों में भी काफी उत्साह है जो मैच देखने के लिए आना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, 'अहमदाबाद में तीन सितारा और पांच सितारा 5,000 कमरे हैं जबकि पूरे गुजरात में 10,000 कमरे हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की क्षमता एक लाख 20 हजार लोगों की है और हमें बाहर से मैच देखने के लिए 30,000 से 40,000 लोगों के आने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि होटल के कमरों की मांग बढने से किराये भी बढ रहे हैं। यहां तक कि गैर सितारा होटल ने भी अपने किराये पांच से सात गुना बढा दिये हैं।

वहीं हवाई यात्रा के लिए विभिन्न शहरों से यहां आने वाली उड़ान के किराये भी अचानक से बढ गये है। चेन्नई से आने वाली उड़ान सामान्य दिन में करीब 5,000 रुपये तक होती है लेकिन यह बढकर 16,000 से 25,000 रुपये तक पहुंच गयी है।

हम सर्वश्रेष्ठ से मुकाबला करना चाहते हैं : स्टार्क

कोलकाता (भाषा)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले विश्व कप फाइनल के बारे में कहा कि उनकी टीम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम का सामना करने को लेकर उत्साहित है।

भारत ने टूर्नामेंट में अभी तक अपने सभी 10 मैच जीत पर फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्टार्क ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'हम सर्वश्रेष्ठ टीम का सामना करना चाहते हैं। अभी तक वह टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं और हम दोनों टीम का फाइनल में आमना-सामना होगा। यही विश्व कप है और इसके लिए ही हम यह खेल खेलते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा सामना निश्चित तौर पर उसे टीम से है जो किसी भी चुनौती का सामना आगे बढकर कर रही है और अभी तक अजेय है।' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लीग चरण में शुरुआती मुकाबला खेला गया था। यह मैच हालांकि एकतरफा रहा। चेन्नई में खेले गए मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 199 रन पर आउट करने के बाद 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। स्टार्क ने कहा, 'हमने उनके खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेला था और अब हमारा उनसे सामना आखिरी मैच में होगा। यह देखना होगा कि विश्व कप के अंत में स्थिति क्या होगी।'

भारत के लिए विश्व कप जीतने का उचित समय : वाल्टर

कोलकाता (भाषा)। दक्षिण अफ्रीका के पांचवी बार विश्व कप के सेमीफाइनल में हारने से निराश उसके मुख्य कोच रॉब वाल्टर फाइनल नहीं देखेंगे लेकिन उनका मानना है कि टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम भारत के लिए ट्रॉफी जीतने का यह उचित समय है।

भारत ने मौजूदा विश्व कप में अपने सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई है जहां रविवार को अहमदाबाद में उसका सामना पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से होगा। वाल्टर ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो इसकी एक प्रतिशत संभावना है कि मैं (फाइनल) देखूंगा। और इससे भी अधिक ईमानदारी से कहूं तो, मुझे वास्तव में कोई परवाह नहीं है।' वाल्टर ने हालांकि तुरंत ही कहा कि भारत के लिए घरेलू मैदान पर ट्रॉफी जितना उचित होगा। उन्होंने कहा, 'क्योंकि विश्व कप भारत में खेला जा रहा है तो यह मेजबान देश के लिए हमेशा अच्छा होता है कि वह विश्व कप जीते।'

रंगारंग कार्यक्रम व एयर शो से फाइनल होगा खास

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा कपिल और धोनी भी होंगे मौजूद

अहमदाबाद (भाषा)। कपिल देव की अगुआई में भारतीय टीम ने 1983 में जब विश्व कप का खिताब जीता था तब टीम के खिलाड़ियों को एक-एक लाख रुपये का पुरस्कार देने के लिए क्रिकेट की प्रशंसक लता मंगेशकर को 'कॉन्सर्ट' करना पड़ा था।

महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में भारतीय टीम 2011 में जब दूसरी बार विश्व चैंपियन बनीं तब तक बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अरब रुपये का मलिक बन चुका था। इन 28 वर्षों में क्रिकेट महज खेल से एक उद्योग बन गया था। इसके 12 साल के बाद रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम रविवार को अहमदाबाद के मोटेरा स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उतरेगी। इन 12 वर्षों के दौरान क्रिकेट देश के लिए 'सॉफ्ट पावर' बन गया है। 'सॉफ्ट पावर' किसी देश के अपने भू-राजनीतिक प्रभाव को बढाने के लिए खेल और संस्कृति के उपयोग को दर्शाता हैं। क्रिकेट भारत को न केवल खेल समुदाय में बल्कि बड़े संदर्भ में सामाजिक-राजनीतिक रूप से भी अपनी ताकत दिखाने का मौका देता है। रविवार को फाइनल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति, भारतीय वायु सेना का एक एयर-शो, दो पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल और धोनी दर्शक दीर्घा में मौजूद रहेंगे जिससे मुकाबले की भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इन सब के बीच खेल, मनोरंजन और राजनीति की दुनिया से कई नामचीन हस्तियां भी वहां मौजूद होंगी। बॉलीवुड संगीत निर्देशक प्रीतम, गायिका जोनिता गांधी और कोक स्टूडियो के गुजराती गायक आदित्य गढवी सांस्कृतिक कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। टॉस से पहले और पारी के बीच में होने वाले कार्यक्रम में मुंबई के 500 कलाकार बॉलीवुड गानों पर थिरकेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए और दुनिया भर में टीवी के बड़े दर्शकों के लिए यह क्रिकेट मैच भारत के 'सॉफ्ट पावर' को दर्शायगा। स्टेडियम के अंदर लगभग 1.30 लाख दर्शक मौजूद होंगे जबकि लगभग एक अरब लोग टेलीविजन या ऑनलाइन माध्यम से मैच देखेंगे तो उन्हें भारतीय टीम के लिए खिताब से कम कुछ भी मंजूर नहीं होगा। भारत के हर मैच की तरह इस मुकाबले में भी मैदान नीले रंग की जर्सी पहने प्रशंसकों से भरा होगा। स्टेडियम के बाहर टीम के नकली पोशाक का उद्योग भी चरम पर होगा। जहां प्रशंसकों में 18 नंबर (विराट कोहली) और 45 नंबर (रोहित शर्मा) की संख्या वाली जर्सी खरीदने की होड़ होगी।

- फाइनल पर नजर
- टॉस से पहले और पारी के बीच गानों पर थिरकेंगे कलाकार
- एक लाख 30 हजार दर्शकों के स्टेडियम में आने की उम्मीद

अहमदाबाद : अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान रोहित शर्मा, कोच राहुल द्रविड और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़।

संक्षिप्त खबरें

आस्ट्रेलिया दौरे से पहले मसूद चोटिल होने से बचे

कराची। पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान शान मसूद घरेलू मुकाबले के दौरान टीम के साथी सरफराज अहमद से टकराने के बाद गंभीर चोट से बच गए हैं, जिससे अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए उनकी उपलब्धता खतरे में पड़ सकती थी। यह घटना शुक्रवार को रावलपिंडी स्टेडियम में कराची और मुल्तान के बीच लिस्ट-ए सेमीफाइनल मैच के दौरान हुई।

मोहम्मद हफीज पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच भी बने

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और नवनियुक्त टीम डायरेक्टर मोहम्मद हफीज को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैड दौरे के लिए क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया हैं। पाकिस्तान को दिसम्बर और जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट और न्यूजीलैड के साथ पांच टी-20 खेलने हैं।

वहाब रियाज पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता नियुक्त

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज को सीनियर पुरुष टीम का नया मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। पीसीबी ने वहाब रियाज की नियुक्ति इंजमाम-उल-हक के स्थान पर की है। इंजमाम ने हाल ही में हितों के टकराव के आरोपों के बीच एकदिवसीय विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद प्रबंधन में व्यापक बदलाव के मद्देनजर पद से इस्तीफा दे दिया था।

बुल्गारिया में फुटबॉल प्रशंसकों की पुलिस से झड़प

सोफिया। बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में फुटबॉल प्रशंसकों और पुलिस के बीच हुई झड़प में कम से कम 14 लोग घायल हो गए है। रेडियो बुल्गारिया ने यह रिपोर्ट दी है कि हंगरी के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के साथ खाली स्टेडिमय में खेले जाने वाले मुकाबले को लेकर प्रशंसकों का विरोध प्रदर्शन शुरू किया। प्रदर्शनकारी ने बल्गेरियाई फुटबॉल संघ के नेतृत्व के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस के रोकने पर प्रदर्शन हिंसक झड़प में बदल गया।

अहमदाबाद में आईसीसी बोर्ड बैठक में श्रीलंका बोर्ड के निलंबन मसले पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड की अहमदाबाद में होने वाली बैठक में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के निलंबन सहित विभिन्न मसलों पर चर्चा की जायेगी।

एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के दो दिन बाद आगामी मंगलवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड बैठक से पहले विभिन्न समितियों के साथ त्रैमासिक बैठकें शनिवार से शुरू होगी। बैठक में 2024-27 के आयोजन के लिए राजस्व वितरण और 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल लेकर चर्चा होगी। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस निलंबन से यह सवाल उठाने लगा है कि श्रीलंका जनवरी और फरवरी में पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप का मेजबान बना रहेगा।

स्टंप टू स्टंप गेंदबाजी की कोशिश करता हूं : शमी

अहमदाबाद (भाषा)। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि उनकी गेंदबाजी में कुछ भी असाधारण नहीं है और वह सिर्फ 'स्टंप टू स्टंप' लेंथ में गेंदबाजी करने पर ध्यान लगाते हैं ताकि विकेट मिल सकें। शमी इस विश्व कप में अभी तक भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं और छह मैचों में 5.01 की इकोनोमी से 23 विकेट झटक चुके हैं जिसमें एक बार चार विकेट लेना और तीन बार पांच या इससे अधिक विकेट लेना शामिल है।

- फाइनल में होंगे महत्वपूर्ण : शास्त्री

मुंबई में मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने सात विकेट लिये। शमी ने कहा, 'मैं हमेशा हालात देखता हूं कि पिच और गेंद किस तरह बर्ताव कर रही है कि गेंद स्विंग ले रही है या नहीं।' उन्होंने कहा, 'अगर गेंद स्विंग नहीं ले रही होती तो मैं 'स्टंप टू स्टंप' गेंदबाजी करने की कोशिश करता हूं और गेंद को ऐसी जगह डालने का प्रयास करता हूं कि यह बल्लेबाज के ड्राइव करने के समय बल्ले का किनारा छू सके।' शमी विश्व कप के पहले चार मैच में अंतिम एकादश में शामिल नहीं थे और आल राउंडर हार्दिक पंड्या के बचे हुए टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद ही अंतिम एकादश में जगह बना सके। इसके बाद से शमी अपनी गति और सीम से अद्भुत रहे हैं, वह हर हालत में गेंद को मूव कर पा रहे हैं। पूर्व भारतीय मुख्य कोच कोच रवि शास्त्री का भी मानना है कि शमी रविवार को अहमदाबाद में आस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में अहम भूमिका निभायेंगे।

विजेता टीम को 40 लाख डॉलर का मिलेगा इनाम

अहमदाबाद (वार्ता)। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 की विजेता टीम को 40 लाख और उपविजेता टीम को 20 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि पुरस्कर स्वरूप मिलेगी। वहीं प्रत्येक ग्रुप चरण की जीत के लिए 40 हजार डॉलर निर्धारित की गयी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमें फाइनल मैच गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेलेंगी। दोनों के बीच ग्रुप चरण में एक बार मुकाबला हुआ जिसमें भारत ने जीत दर्ज की है। भारत ने अपने सभी नौ मैच जीतकर अधिकतम 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर रहा है। ग्रुप स्टेज में भारत का नेट रन रेट 2.570 सबसे बेहतर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने 2003 में जोहान्सबर्ग में हुए फाइनल में मेजबान टीम को 125 रन से हराकर जीत दर्ज की थी। रविवार को होने वाले फाइनल ऐतिहासिक मुकाबले को दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में देखने के लिए एक लाख से अधिक प्रशंसकों के आने की उम्मीद है।

क्विंटन डी कॉक का वनडे से संन्यास

कोलकाता (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने पूर्व घोषणा के अनुसार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ले लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गये विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में मिली हार के बाद डीकॉक ने संन्यास लिया है, उन्होंने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी कि भारत में इस प्रारुप में उनके अभियान का आखिरी प्रदर्शन होगा। आईसीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार व्यक्तिगत प्रयास के बाद डीकॉक का एकदिवसीय करियर सेमीफाइनल चरण में समाप्त हुआ। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल में हार के बाद डी कॉक के बारे में कहा, 'वह चीजों को एक अलग तरीके से समाप्त करना चाहते होंगे, लेकिन एक टीम के रूप में हमने जिस तरह की पारी और लड़ाई दिखाई थी, उसे वह याद रखेंगे।'

सुब्रमण्यम ने 86 साल की उम्र में एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स मीट में जीते चार स्वर्ण

नई दिल्ली (भाषा)। के सुब्रमण्यम ने फिलीपींस में एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स मीट में 86 साल की उम्र में चार स्वर्ण पदक जीते। पिछले सप्ताह आयोजित प्रतियोगिता में एथलेटिक्स बिरादरी में सुब्बू के नाम से मशहूर सुब्रमण्यम ने 85 साल से अधिक के वर्ग में लंबी कूद, ट्रिपल जंप, ऊंची कूद और भाला फेंक में शीर्ष स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के छोटे से शहर पोल्लाची के सुब्रमण्यम बचपन से ही एथलेटिक्स से जुड़े रहे है। खेल से उनके लगाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने फिलीपींस की यात्रा अपने खर्चे पर की थी। तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सुब्बू की उपलब्धि तारीफ करते हुए कहा कि राज्य सरकार जल्द ही उनका सम्मान करेगी।

बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंची

तुरिन (भाषा)। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन शुक्रवार को यहां वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूपस्की की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ने 84 मिनट तक चले रेड ग्रुप क्वालिफिकेशन निर्णायक मुकाबले में कूलहोफ (नीदरलैंड) और स्कूपस्की (ब्रिटेन) पर 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी सर्विस पर लगभग 88 प्रतिशत अंक (40 में से 35) बनाये। मौजूदा सत्र में टूर स्तर पर 40वीं जीत दर्ज करने वाले बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी के साथ रेड ग्रुप से गत चैम्पियन राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया।

बोपन्ना इस सप्ताह की शुरुआत में 43 साल की उम्र में इस टूर्नामेंट के मुकाबले में जीत दर्ज करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी के पास साल के आखिर में एटीपी युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका है। इसके लिए हालांकि इस जोड़ी को फाइनल में पहुंचना होगा।

अल्काराज सेमीफाइनल में जोकोविच से भिड़ेंगे

तूरिन (इटली) (एपी)। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को दानिल मेदवेदेव को 6-4, 6-4 से शिकस्त देकर एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनायी जिसमें उनका सामना नोवाक जोकोविच से होगा।

दूसरी रैंकिंग पर काबिज अल्काराज ने विम्बलडन के फाइनल में जोकोविच को हराया था। वह पिछले साल पेट की चोट के कारण पिछले साल के एटीपी फाइनल्स में नहीं खेल पाये थे।

मेदवेदेव ने भी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है और अब वह यानिक सिनर से भिड़ेंगे।

मनवीर के गोल से भारत ने कुवैत को हराया

कुवैत सिटी (भाषा)। मनवीर सिंह के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से भारत ने यहां 2026 फीफा विश्व कप के दूसरे दौर के क्वालीफायर मैच में कुवैत को 1-0 से पराजित किया। मनवीर ने बृहस्पतिवार को खेल के 75वें मिनट में लालियानजुआला चांग्ते के क्रॉस पर यह महत्वपूर्ण गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

- विश्व कप क्वालीफायर
- भारत का अगला मुकाबला 21 नवम्बर को कतर से होगा

कुवैत को मैच के आखिरी क्षणों में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में फैसल अलहरबी को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा था। भारत अपना अगला मैच 21 नवम्बर को भुवनेश्वर में एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ खेलेगा।

भारत को कतर, कुवैत और अफगानिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाएंगी।

कुवैत सिटी : गोल करने के बाद खुशी मनाते भारतीय खिलाड़ी।

इस बीच एशियाई क्षेत्र के विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में दक्षिण कोरिया ने सिंगापुर को 5-0 से करारी शिकस्त दी जबकि फिलीस्तीन ने लेबनान से गोल रहित ड्रॉ खेला। अन्य मैचों में जापान ने म्यांमार को 5-0 से, चीन ने थाईलैंड को 2-1 से, ईरान ने हांगकांग को 4-0 से, कतर ने अफगानिस्तान को 8-1 से, सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 4-0 से और संयुक्त अरब अमीरात ने नेपाल को 4-0 से हराया।

कोलंबिया ने ब्राजील को पराजित किया

बैरेंक्विला (वार्ता)। लिवरपूल के फारवर्ड लुइस डियाज के दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की मदद से कोलंबिया ने ब्राजील को 2-1 से हरा दिया। यहां एस्टाडियो मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गये फीफा विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले के चौथे मिनट में गैब्रियल मार्टिनेली ने विनीसियस जूनियर के साथ मिलकर ब्राजील को बढ़त दिलाई। मध्यांतर के बाद कोलंबिया के डियाज ने दो गोल करते हुए टीम बढ़त दिला दी। इस मैच के बाद कोलंबिया पांच मैचों में नौ अंकों है और वह तीसरे स्थान पर है वह शीर्ष पर चल रहे अर्जेंटीना से तीन अंक पीछे है। ब्राजील इस क्वालीफायर में सात अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है।

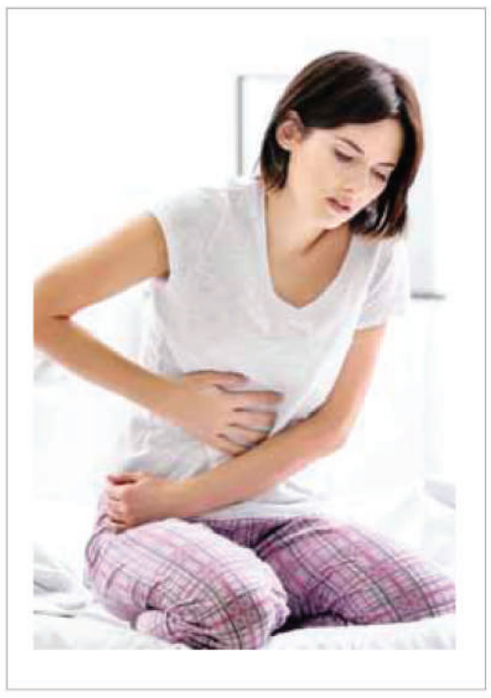

पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम

यदि थायराइड कम सक्रिय है यानी हाइपोथायरायडिज्म है तो इससे अवसाद या असामान्य थकान हो सकती है।

-मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे एकाग्रता में कठिनाई या अल्पकालिक स्मृति हानि या रुचि की कमी हो सकती है।

-किसी भी प्रकार का थायराइड हो, इससे व्यक्ति अधिक भावुक हो सकता है और मूड में बदलाव आ सकता है।

डॉ. अशोक झिंगन

-यदि थायरॉयड अतिरंजित है तो घबराहट या कंपकंपी या धड़कन जैसी चिंता होने लगती है।

-यदि थायराइड सक्रिय है तो अवसाद, भूख न लगना, नींद में खलल पड़ता है

-थायराइड से पीड़ित लोगों को खुलकर बातचीत करके अपने मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए।

-हममें से कुछ लोग ऐसी बातें अपने अंदर ही रखते हैं जो निराशा और नाराजगी का कारण बन सकती हैं।

-यह कहना सीखना कि आप कैसा महसूस करते हैं और मदद मांगना आवश्यक है।

-साथ ही तनाव या चिंता महसूस होने पर नई चीजें आज़माने से हमारा ध्यान भटकने में मदद मिलेगी।

-अंत में, तीन के नियम का अभ्यास करने के लिए समय निकालें।

दिन खत्म होने से पहले, उन तीन चीजों का नोट लिखें जिनसे आपको सकारात्मक महसूस हुआ। अगली सुबह उस नोट को दोबारा पढ़ें और शाम को उस सूची में 3 और चीजें जोड़ दें।

डॉक्टर के उचित मार्गदर्शन में थायराइड के स्तर को भी नियंत्रण में रखा जाना चाहिए।

-उन खाद्य पदार्थों के बारे में सावधानी बरतें जो थायराइड हार्मोन में बाधा डालते हैं जैसे पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और सोयाबीन। दवाएं नियमित रूप से लें।

-स्वस्थ आहार, ताजे फल और सब्जियों के साथ नियमित योग व्यायाम और ध्यान करें।

-नियमित व्यायाम व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत और स्थिर रखता है।

थायरॉयडेक्टॉमी के बाद भी थायरॉयड के स्तर को सामान्य बनाए रखने के लिए खुराक समायोजन के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क रखें

नियमित अंतराल पर थायराइड कार्यों की जांच कराते रहने से आप अपने को स्वस्थ रख सकते हैं।

ये होता है हैमस्ट्रिंग

जिसकी वजह से पूरा मैच नहीं खेल पाए थे शुभमन गिल

हैमस्ट्रिंग की समस्या का ऐसे चलता है पता

हैमस्ट्रिंग मलल्स में दर्द और जांघ के पीछे का हिस्सा नर्म पड़ना हो सकता हैं इसके शुरुआती लक्षण। इसके शुरुआती लक्षण है पैर हिलाने में दर्द होना। बहुत ज्यादा दर्द होना। जिसके कारण सूजन और स्किन का लाल पड़ना। पैर के सहारे चलने में दिक्कत हो सकती है। अगर यह ज्यादा बढ़ जाए तो बैठने, चलने या खड़े होने में काफी ज्यादा दिक्कत हो सकती है। कभी-कभी तो यह दिक्कत इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि आप ठीक से खड़े तक नहीं हो पाते हैं।

हैमस्ट्रिंग मसल्स में खिंचाव अचानक से हो सकता है। जिसके कारण आपको दौड़ने-चलने या चढ़ने में दिक्कत हो सकती है। इस तरह की चोट खिलाड़ियों में काफी ज्यादा देखी जाती है। अगर एक बार हैमस्ट्रिंग की समस्या शुरू हो जाए तो यह ठीक होने के बाद दोबारा भी हो सकता है।

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का धमाल जारी है। इसी बीच धुंआधार ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल को हैमस्ट्रिंग मसल्स में चोट लग गई थी। जिसके कारण खेल बीच में ही छोड़कर उन्हें फिल्ड से बाहर निकलना पड़ा था। जब शुभमन गिल बल्लेबाजी कर रहे थे तो उन्हें चलने या दौड़ने में तकलीफ महसूस हो रही थी। जिसके बाद फिजियो उनके पास गए लेकिन तकलीफ कम न होने पर उन्हें मैदान से बाहर निकलना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुभमन गिल थोड़ी देर फिजियो के साथ वक्त बिताएंगे अगर उन्हें अच्छा महसूस हुआ तो वह दोबारा फिल्ड में वापस आकर खेल सकते हैं क्योंकि वह अब तक आउट नहीं हुए थे। अब सवाल यह उठता है कि आखिर शुभमन गिल को हैमस्ट्रिंग मसल्स की जो तकलीफ शुरू हुई... आखिर वह बीमारी है क्या? इससे कैसे निजात पा सकते हैं?

ये होती है हैमस्ट्रिंग

हैमस्ट्रिंग एक मांसपेशी है जो बहुत सारे मांसपेशियों से बनी होती है। यह पैर के जांघ के पिछले हिस्से, कूल्हे और घुटनों तक होती है। आपका पैर किस दिशा में मूव करेगा इसका पूरा कंट्रोल इसी मसल्स के पास होता है। यही मसल्स जांघ की बड़ी मांसपेशियों को हड्डी से जोड़ती है। दौड़ना, चलना के दौरान यही मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हैमस्ट्रिंग मसल्स में खिंचाव अचानक से हो सकता है। जिसके कारण आपको दौड़ने-चलने या चढ़ने में दिक्कत हो सकती है। इस तरह की चोट खिलाड़ियों में काफी ज्यादा देखी जाती है। अगर एक बार हैमस्ट्रिंग की समस्या शुरू हो जाए तो यह ठीक होने के बाद दोबारा भी हो सकता है।

ये होती है हैमस्ट्रिंग की चोट

हैमस्ट्रिंग की चोट का साफ अर्थ है कि मसल्स में खिंचाव और दर्द पैदा होना। जिसके कारण चलने या दौड़ने में दिक्कत पैदा होती है।

हैमस्ट्रिंग थाई की हड्डी के चारों तरफ जो मांसपेशियां होती है उसे कहते हैं। यह मांसपेशियां के जरिए आपके स्टेप्स को कंट्रोल करती है। जिसका साफ मतलब है कि आप कैसे चलते या दौड़ते हैं उसका पूरा बैलेंस थाई के चारों तरफ लगे हैमस्ट्रिंग मांसपेशियां करती है। जांघ के पीछे तीन हैमस्ट्रिंग मांसपेशियां हैं। जब आप सीढियां चलते हैं, स्क्वैट्स करते हैं तो इन्ही मांसपेशियों पर सबसे अधिक जोड़ पड़ता है। ये मांसपेशियां बाइसेप्स फेमोरिस, सेमीमेम्ब्रानोसस और सेमीटेंडिनोसस मांसपेशियां हैं।

बच्चों के साथ ट्रेवलिंग का बना रहे प्लान तो ध्यान रखें ये बातें, आसान बनेगा सफर

घूमने के शौकीन लोग अक्सर ही छुट्टी मिलते घूमने का प्लान बना लेते हैं। हांलाकि घूमना किसे अच्छा नहीं लगता है। लेकिन जब बात बच्चों के साथ घूमने जाने की हो, तो आपको थोड़ा ज्यादा सजग होना पड़ता है। क्योंकि बच्चों के साथ जाने में आपको थोड़ी ज्यादा प्लानिंग, थोड़ी ज्यादा पैकिंग और थोड़ी ज्यादा तैयारी करनी होती है। ऐसे में अगर आप भी बच्चों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको ध्यान में रखकर आप जब भी बच्चों के साथ सफर पर निकलेंगे तो आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

एक्स्ट्रा समय- हांलाकि जब भी बच्चों के साथ ट्रेवल करना होता है, तो चीजें हमेशा प्लान के अनुसार नहीं चलती हैं। इसलिए आपको कहीं भी जाना हो, फ्लाइट से जाना हो या ट्रेन से जाना हो। तो हमेशा एक्स्ट्रा समय लेकर जाना चाहिए। क्योंकि बच्चे कई बार फूड कोर्ट, वॉशरूम, टॉय शॉप या फिर कहीं और अनएक्सपेक्टेड समय लगा सकते हैं।

अधिक प्री बुकिंग कराएं- बच्चों के साथ सफर करने के दौरान आप जितना ज्यादा से ज्यादा हो सके प्री-बुकिंग करा लें। जिससे कि आपको वेटिंग रूम, रूम या फिर स्लॉट मिलने में समस्या ना हो। क्योंकि अधिकतर बच्चे सफर के बाद कहीं इंतजार करना पसंद नहीं करते हैं। वहीं आप अगर आप बार-बार होटल बदलेंगे तो इससे पैकिंग और अनपैकिंग में आपका काम ज्यादा बढ़ सकता है।

एंटरटेनमेंट- जब भी बच्चों के साथ जाएं तो उनको व्यस्त रखने के लिए पूरा इंतजाम भी अपने साथ रखें। इस दौरान आप उनके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस, हेड फोन, पसंदीदा खिलौने, कोई खास टॉय, ड्रॉइंग बुक, स्टोरी बुक आदि लेकर जा सकते हैं।

बच्चों को दें इंफॉर्मेशन- ट्रेवलिंग के दौरान बच्चे को जरूरी इंफॉर्मेशन देते रहें। इसके अलावा आप बच्चे से उनका बैग खुद उठवाएं। इससे बच्चे को कॉन्फिडेंट फील होता है। उनको सारी कॉन्टैक्ट इंफॉर्मेशन जरूर दे दें। ट्रेवलिंग के दौरान बच्चे को फोन नंबर, ईमेल एड्रेस, नाम, लोकल एड्रेस इन सब के बारे में जानकारी होना चाहिए। इस दौरान सिक्योरिटी का भी खास ख्याल रखें।

स्नैक्स और मेडिसिन- ट्रेवलिंग के दौरान बच्चे अक्सर क्रिब करने लगते हैं, जब वह भूखे होते हैं। इसलिए पैकिंग के दौरान बच्चों के खाने के लिए कोई ना कोई सामान जरूर पैक कर लें। कई बार बच्चे लोकल फूड पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में आप स्नैक्स जरूर रख लें। इसके साथ ही दवाइयां भी पैक कर लें।

सोलो ट्रिप के दौरान हर किसी को ध्यान रखनी चाहिए ये बातें, आसान बनेगा सफर

कई लोगों को सोलो ट्रिप करना काफी ज्यादा पसंद होता है। लेकिन फर्स्ट टाइम में सोलो ट्रिप करना काफी ज्यादा मुश्किल होता है। सोलो ट्रिप में कंफर्ट जोन से बाहर निकलना, नई-नई चीजों को ट्राय करना और नए-नए लोगों से मिलना शामिल होता है। हांलाकि सोलो ट्रिप काफी ज्यादा मजेदार होती है। हर किसी को एक बार सोलो ट्रिप का एक्सपीरियंस जरूर लेना चाहिए। लेकिन सोलो ट्रिप पर जाने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। तो आइए जानते हैं सोलो ट्रिप के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

एक जगह पर नहीं रखें पैसे- सोलो ट्रिप के दौरान कैश और ज्वैलरी एक स्थान पर नहीं रखना चाहिए। कैश और ज्वेलरी को इनसाइड पॉकेट, जैकेट, बैग, मोजे, हिप पॉकेट आदि में रखें। ऐसा इसलिए भी जरूरी है कि लूट या चोरी आदि की स्थिति में आपका सारा सामान झटके में चला जाएगा। इससे आपकी चीजें बच जाएंगी।

सोलो ट्रेवल का ना करें जिक्र- सोलो ट्रिप के दौरान पब्लिकली यह कहने से बचना चाहिए कि आप अकेले ट्रेवल कर रही हैं। या फिर सिंगल सफर करने के दौरान आप अपने नाम के आगे मिसेज भी जोड़कर बता सकते हैं। इससे बाहरी लोग आपका फायदा उठाने से बच जाएंगे। लेकिन जब लोगों को यह पता चलेगा कि आप ट्रिप के दौरान अकेले नहीं है, तो ट्रिप के दौरान जोखिम कम हो सकता है।

जगह के बारे में करें पूरी रिसर्च- आप जहां भी जा रहे हैं तो उस जगह के बारे में पूरी रिसर्च कर लें। इसके अलावा आप जगह के मौसम, ट्रांसपोर्टेशन आदि चीजों का ध्यान रखें। इससे आपको ट्रिप में पैकिंग काफी आसानी हो जाएगी। आप इंटरनेट की मदद से भी जगह के बारे में जानकारी ले सकती हैं।

पहले से कर लें बुकिंग- अकेले ट्रिप पर जाने से पहले रहने की व्यवस्था को भगवान के भरोसे बिलकुल ना छोड़ें। ट्रिप पर जाने से पहले होटल या होमस्टे आदि की बुकिंग पहले से कर लें। ऐसा करने से आप टेंशन फ्री हो जाएंगे। खासतौर पर जब आप डेस्टिनेशन के पीक सीजन पर जा रहे हों। क्योंकि कई बार पीक सीजन में होटल आदि बुक करने में दिक्कत होती है। इसलिए इस तरह का रिस्क ना लें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स- वैसे तो हर ट्रेवलर पर यह बात लागू होती है। लेकिन सोलो ट्रैवलर के दौरान यह काफी ज्यादा जरूरी होता है। होटल से लेकर होमस्टे, फ्लाइट और कई व्यू प्वॉइट्स पर भी डॉक्यूमेंट्स की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए अपने जरूरी डॉक्यूमेंट्स को जरूर साथ में रखें। इसलिए ट्रैवलर को ऑरिजनल कॉपी के साथ इनकी फोटोकॉपी भी करवा कर रख लें।

पैकिंग- सोलो ट्रिप पर आपको अपनी जिम्मेदारी खुद उठानी पड़ती है। वैसे ही ट्रिप के लिए आपको अपना बैग खुद ही उठाना पड़ता है। इसलिए बैग में बहुत ज्यादा सामान नहीं रखना चाहिए। इसलिए कपड़े और डॉक्यूमेंट्स के अलावा सिर्फ उन चीजों को रखे जिनकी आपको जरूरत हो।

मधुमेह के खिलाफ एकजुट होना

विश्व मधुमेह दिवस पर कार्रवाई का आह्वान

आप सभी जानते हैं कि हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाते हैं, मधुमेह और मोटापे के बीच के भयानक संबंध पर ध्यान केंद्रित होता है, जिसे अक्सर मधुमेह कहा जाता है। अग्रणी बेरिएट्रिक सर्जन, डॉ. अरुष सभरवाल इस बात पर जोर देते हैं कि मधुमेह के खिलाफ लड़ाई में मोटापे से निपटना महत्वपूर्ण है। डॉ. सभरवाल, जो परिवर्तनकारी वजन घटाने और मधुमेह सर्जरी के लिए जाने जाते हैं, इन परस्पर जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की वकालत करते हैं।

डॉ. आरुष सभरवाल

पोषण विशेषज्ञ डी. टी. कनक अग्रवाल मधुमेह से निपटने के लिए स्वस्थ खान-पान और जीवनशैली में बदलाव को अपनाने के महत्व को बताते हैं। वह इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि बेरिएट्रिक सर्जरी सिर्फ वजन घटाने का उपकरण नहीं है बल्कि मधुमेह के खिलाफ एक शक्तिशाली हथियार है। वह इस बात पर जोर देती हैं कि चाहे आपको बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजरना पड़े या नहीं, मधुमेह के प्रबंधन के लिए जीवनशैली में बदलाव महत्वपूर्ण हैं।

इस मधुमेह दिवस पर, आइए मधुमेह के खिलाफ एकजुट हों, यह समझें कि वजन और मधुमेह जटिल रूप से जुड़े हुए हैं। डॉ. अरुष सबरवाल और डीटी. कनक अग्रवाल की अंतर्दृष्टि हमें एक समग्र दृष्टिकोण की ओर मार्गदर्शन करती है, जो न केवल वजन कम करने में बल्कि मधुमेह, पी.सी,ओ.डी. और मेटाबोलिक सिंड्रोम के चंगुल से मुक्त जीवन प्राप्त करने में भी वजन घटाने की सर्जरी की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देती है।

आप अपने सवाल हमें info@scodclinic.com पर लिख सकते हैं; नियुक्तियों या पोषण संबंधी चिंताओं के लिए हमें +91-8130130489 पर कॉल करें।

मधुमेह का काल हैं ये योगासन

डायबिटीज में शरीर का ब्लड शुगरबढ़ जाता है, जिसे कम करना बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक रोजाना एक्सरसाइज व योगा करने से मधुमेह रोगियों में हाई शुगर नियंत्रित हो जाता है। यहां बताए जा रहे कुछ योगासन डायबिटिक पेशेंट्स के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आर्ट ऑफ लिविंग के मुताबिक, मधुमेह की समस्या ठीक करनी है, तो आपको जीवनशैली में प्राणायाम, योगासन और ध्यान को जोड़ लेना चाहिए। उनके मुताबिक, आप यहां बताए गए योगासनों को सुबह या शाम कभी भी कर सकते हैं।

धनुरासन

आर्ट ऑफ लिविंग के मुताबिक, धनुरासन पैंक्रियाज को सक्रिय कर देता है। शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल करने वाले इंसुलिन हॉर्मोन पैंक्रियाज ही उत्पादित करता है। इसके अलावा धनुरासन पेट के सभी अंगों को मजबूत बनाने के साथ तनाव से भी राहत देता है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति प्राणायाम मधुमेह रोगियों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह आपके शरीर की तंत्र-तंत्रिकाओं और दिमाग की नसों को मजबूती देता है। इसी के साथ शरीर में ऊर्जा भी देता है। कपालभाति प्राणायाम शरीर में रक्त प्रवाह को बेहतर करने के साथ मन को भी शांत करता है।

अर्धमत्स्येन्द्रासन

मधुमेह रोगियों को अर्धमत्स्येन्द्रासन भी करना चाहिए। इससे पेट के अंगों की मालिश होने के साथ रीढ़ की हड्डी भी मजबूत बनती है। मधुमेह से राहत देने वाला यह योगासन फेफड़ों की सांस लेने की क्षमता भी बढ़ाता है।

पश्चिमोत्तानासन

हैल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, हाई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए पश्चिमोत्तानासन भी करना चाहिए, यह आसन भी पेट के सभी अंगों को सक्रिय करता है। जिससे इंसुलिन उत्पादित करने वाले पैंक्रियाज पर भी असर पड़ता है। मधुमेह में फायदेमंद यह योगासन मन की शांति और जीवन ऊर्जा बढ़ाने में भी फायदेमंद है।

हाई शुगर कम करने के लिए शवासन

शवासन काफी आसान योगासन है, जिसे कोई भी मधुमेह रोगी कर सकता है। शवासन में ध्यान लगाने की जरूरत होती है। जो कि शरीर को विश्राम देने के साथ मन शांत करता है और ऊर्जा का संचार करता है।

पर्यटकों को आकर्षित करता है खूबसूरत हिल स्टेशन लोनावला

महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित लोनावला खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह पुणे से लगभग 64 किमी पश्चिम में और मुंबई से 96 किमी पूर्व में है। लोनावला को हार्ड कैंडी चिक्की के उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। लोनावला आने के लिए पुणे जंक्शन से लोकल ट्रेनें उपलब्ध हैं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग भी लोनावाला से होकर गुजरते हैं। वर्तमान लोनावला सेउना (यादव) राजवंश का हिस्सा था। बाद में मुगलों को इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व का एहसास हुआ और उन्होंने इस क्षेत्र को लंबे समय तक अपने पास रखा। इस क्षेत्र के किलों और "मावला" योद्धाओं ने मराठा साम्राज्य और पेशवाओं के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1871 में लोनावाला और खंडाला हिल स्टेशनों की खोज लॉर्ड एलफिंस्टन ने की थी, जो उस समय बॉम्बे प्रेसीडेंसी के गवर्नर थे। लोनावाला और निकटवर्ती खंडाला सह्याद्रि पर्वतमाला में स्थित जुड़वां हिल स्टेशन हैं। हिल स्टेशन लगभग 38 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए हैं। मानसून के मौसम में यहां पर्यटन चरम पर होता है। लोनावला नाम 'लेनी' शब्द से बना है जिसका अर्थ है गुफाएं और 'अवली' जिसका अर्थ है श्रृंखला। एक और दिलचस्प जगह तुंगी किला है, जो कर्जत गांव के पास मलिक अहमद द्वारा कब्जा किए गए किलों में से एक है। लोनावला के पर्यटन स्थलों की बात करें तो उनमें राजमाची प्वाइंट काफी मशहूर है। इस बिंदु से शिवाजी महाराज के किले, राजमाची (रॉयल टेराकोइओस) और आसपास की घाटी का दृश्य दिखाई देता है। राज्य परिवहन बस स्टैंड से राजमाची प्वाइंट और लोनावाला के बीच नियमित राज्य परिवहन बसें चलती हैं। वाघजई दारी भी यहीं स्थित है। राजमाची किला लोनावाला के नजदीक एक ऐतिहासिक किला है और मानसून के मौसम में बहुत सारे ट्रैकर्स को आकर्षित करता है। किले में दो अन्य किले भी शामिल हैं- श्रीवर्धन किला और मनरंजन किला। इसके अलावा, यह किला जुगनूओं के लिए जाना जाता है जो रात में आसपास को रोशन कर देते थे। रायवुड पार्क और शिवाजी उद्यान लोनावला में स्थित एक विस्तृत उद्यान है। इस बगीचे में कई ऊँचे पेड़ हैं, जिनमें से कुछ बहुत पुराने हैं। पार्क में एक पुराना शिव मंदिर है।

वलवन बांध एक ब्रिटिश निर्मित उद्यान है और एक शताब्दी से भी अधिक पुराना है। इस बांध की दीवार के नीचे एक बगीचा है और यह शहर से 2 किमी दूर है। यह बांध बिजली पैदा करने के लिए सह्याद्रि की तलहटी में खोपोली बिजली स्टेशन को पानी की आपूर्ति करता है।

डेला एडवेंचर पार्क भारत का सबसे बड़ा एडवेंचर पार्क है जो लोनावला हिल स्टेशन में स्थित है। यह पार्क 36 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। डेला एडवेंचर पार्क करीब 52 साहसिक गतिविधियों की पेशकश करता है।

लोनावाला झील शहर से लगभग 1.6 किमी दूर प्राकृतिक दृश्यों से घिरी हुई है। सर्दी और गर्मी के महीनों के दौरान झील सूख जाती है और इसमें हरी घास उग आती है जिसका उपयोग वॉकर और जॉगर्स द्वारा किया जाता है। यह स्थान अपने स्ट्रीट फूड के लिए पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां के प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड में भुट्टे, स्मोक्ड कॉर्न, शेव्ड आइस (गोला), वड़ा पाव, चाट और अदरक चाय जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

योजनाओं की संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल सोनभद्र। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन चोपन ब्लॉक के ग्राम पंचायत परसोई व पनारी गांव में किया गया` ग्राम पंचायत परसोई व पनारी में आयोजित कार्यक्रम को दीप प्रज्जवलित कर मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस मौके पर एल0ई0डी0 वैन के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकी योजनाओं की जानकारी उपस्थित जन समुदाय को दी गयी जिसको भारी संख्या में उपस्थित जनमानस ने देखा और सराहना की इस दौरान ग्राम प्रधान व जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने उपस्थित जन मानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि 15 नवम्बर 2023 को बिरसा मुण्डा की जयन्ती पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ रांची के खूंटी से किया

है विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है कि गांव व शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले हर पात्र व्यक्तियों को सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाये, जो व्यक्ति योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं उनके जीवन स्तर में किस तरह का सुधार हुआ कहानी उनके जुबानी से ही सुना जाये देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह संकल्प लिया है कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाया जाये उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है कि सबको विकास के पथ पर अग्रसर किया जाये इसके लिए केन्द्र सरकार ने लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं से जन-जन को लाभान्वित करने हेतु यह योजना बनायी गयी है इस विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गांवों में पात्र व्यक्तियों को क्या लाभ हुआ है जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार लगातार जनमानस के कल्याण के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है जिसमें अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को साईकिल व स्कूल ड्रेस की सुविधा, अनुसूचित जनजाति बन्धन योजना समूहों के गठन का कार्य किया जा रहा है इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति- प्रमाण पत्र का वितरण किया गया जिसमें मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, एल0पी0जी0 गैस कनेक्शन, निःशुल्क खाद्य सामग्री, घरौनी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, एन0 आर0एल0एम0 समुह की महिलाओं चेक, मनरेगा जॉबकार्ड का वितरण व समाज कल्याण विभाग की तरफ से संचालित योजना के तहत साईकिल व वृद्धा पेंशन प्रमाण-पत्र आदि का वितरण किया गया इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजना से सम्बन्धित लगाये गये विभिन्न स्टालों को जनमानस ने देखा और विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी भी प्राप्त की आयोजित कार्यक्रम के मौके पर खण्ड विकास अधिकारी चोपन शुभम जायसवाल, ए0डी0ओ0 पंचायत सुनील पाल, पूर्ति निरीक्षक शशिकान्त, अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चोपन, पनारी के ग्राम प्रधान तारा देवी, परसोई के ग्राम प्रधान अरविन्द खरवार भारी संख्या में ग्रामीणजन सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

डाला छठ त्योहार के दृष्टिगत डीएम संग एसपी ने गंगा घाटों का किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को छठ त्योहार के दृष्टिगत जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा सैदपुर स्थित विभिन्न गंगा घाटों तथा टाउन नेशनल इंटर कॉलेज स्थित घाट, बूढ़ेनाथ महादेव घाट इत्यादि का निरीक्षण किया गया तथा छठ पूजा के लिए घाटों के किनारे की गई तैयारी एवम सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। मातहतों को सुरक्षा व्यवस्था संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम, क्षेत्राधिकारी सैदपुर, थानाध्यक्ष सैदपुर कोतवाली तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गोमती नदी पर जल्द बनेंगे चार पांटून पुल

राहुल चौबे

प्रखर दानगंज चोलापुर वाराणसी। केंद्रीय मंत्री डा. महेंद्र नाथ पांडेय के प्रयास से चोलापुर क्षेत्र में गोमती नदी पर जल्द पांटून पुल (पीपा पुल) बनने जा रहा है। कार्यदाई संस्था मार्सवे विभाग के एमडी अजय मिश्रा ने बतया कि गोमती नदी पर पुल बनाने के लिए भदवां, बाबतपुर, कैथी, भगवानपुर को चिह्नित किया गया है। इसका स्थलीय निरीक्षण भी कर लिया गया है। मार्च, 2024 से इस पर कार्य शुरू हो जाएगा। पुल बनने से वाराणसी जनपद के बाबतपुर (चोलापुर) से गाजीपुर जनपद के नेवादा, वाराणसी जनपद के > भदवां से उस पार जौनपुर जनपद के बीरी बारी, वाराणसी जनपद के कैथी संगम से उस पार खरौना तथा

वाराणसी जनपद के भगवानपुर से उस पार गाजीपुर के गौरी तेतारपुर आने जाने के लिए ग्रामीणों की राह आसान हो जाएगी। शुक्रवार को निर्माण दायीं कंपनी (Marsway ECC Ltd) एमडी अजय मिश्रा भदवा गांव के सारेपुर घाट पर पहुंच कर घाट के स्ट्रक्चर का जायजा लिया वही साथ में भाजपा के चोलापुर मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह ,चोलापुर मंडल मीडिया प्रभारी राहुल चौबे, रविंदर कनौजिया, रितेश सिंह , रामधनी खरवार, दीपक चौबे आदि लोग मौके पर उपस्थित रहे

डॉ. एस के मिश्रा ने जाणता राजा का खरीदा टिकट प्रकल्प के लिए भी करेंगे सहयोग

प्रखर वाराणसी। वाराणसी के शिवपुर बाईपास पर स्थित प्रसिद्ध बाल शल्य चिकित्सालय शेखर के निदेशक और प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एसके मिश्रा ने आगामी 21 से 24 नवंबर तक होने वाले विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटक जाणता राजा का सोफा टिकट खरीदा है। उन्होंने टिकट खरीदने के साथ किया यह संकल्प भी दोहराया कि कैंसर रोगियों और उनके सेवकों के लिए बनने वाले प्रकल्प के लिए वह सहयोग के लिए तैयार हैं। बता दे की विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटक जाणता राजा का मंचन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एमपी थियेटर में होना निश्चित हुआ है । इसे काशी प्रांत के सेवा भारती के सहयोग से कराया जा रहा है। गौरतलब है कि सेवा भारती के काशी प्रांत के संयोजक राहुल सिंह

और उनकी टीम के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जाणता राजा के टिकट से होने वाली बिक्री से जो भी आय होगी वह बनारस में कैंसर अस्पताल के बगल में बनने वाले सेवा भारती के प्रकल्प के लिए उस राशि का प्रयोग किया जाएगा। सेवा भारती के इस निस्वार्थ संकल्प के बाद पूरे पूर्वांचल के लोगों के द्वारा बढ़-चढ़कर इस महान नाट्य में हिस्सा लिया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष हरि नारायण सिंह बिसेन और अजय सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जेल में बन्द बंदी की फांसी लगाकर आत्महत्या करने की मजीस्ट्रेटियल जांच के लिए छात्र नेताओं ने रखा उपवास

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को सरजू पाण्डेय पार्क में जिला जेल में बंद कैदी स्व0 अमन कुमार द्वारा जेल प्रशासन से प्रताड़ित होकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने पर उसके न्याय व मजिस्ट्रेटी जांच की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने पांच घंटे का सामूहिक उपवास रखने के पश्चात मुख्यमंत्री के नाम से संबोधित पत्रक को जिलाधिकारी के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार राजीव कुमार सिंह ने सौंपा। अधिवक्ता डॉ शम्मी सिंह ने कहा कि स्व अमन कुमार के पिता खुरचन राम ने जेल प्रशासन पर यह आरोप लगाया है कि आये दिन मेरे बेटे से धन की मांग की जा रही थी जिसको नही देने पर उसको शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जिससे आजिज आकर उसने आत्महत्या कर ली। दिन में कोई बन्दी सरेआम आत्महत्या कर लिया और उसको बचाने के लिए कोई नही आया,यह दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्र नेता शशांक उपाध्याय ने कहा कि हम सभी कि मुख्यमंत्री जी से यही मांग है कि इस प्रकरण कि न्यायिक जांच हो और दोषियों पर दंडात्मक कार्यवाही हो। छात्र नेता अभिषेक राय ने कहा कि जल्द से जल्द दोषियों पर दण्डनात्मक कारवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन करने को हम सभी बाध्य होंगे। सामूहिक उपवास में बैठे डां शम्मी सिंह, मनीष चौधरी, शिवम उपाध्याय, अभिषेक द्विवेदी, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय, सुधांशु तिवारी, अनुज कुमार भारती, आकाश चौधरी, निलेश बिन्द, नितेश सिंह, निखिल राज भारती, विवेक भारती, विनोद कुशवाहा, सर्वजीत मौर्य इत्यादि मौजूद थे।

प्रशासन से प्रताड़ित कैदी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में छात्र नेताओं ने 5 घंटे का रखा सामूहिक उपवास

प्रखर गाजीपुर। जिले के सरजू पाण्डेय पार्क में जिला जेल में बंद कैदी स्व0 अमन कुमार द्वारा जेल प्रशासन से प्रताड़ित होकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने पर उसके न्याय व मजिस्ट्रेटी जांच की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने पांच घंटे का सामूहिक उपवास रखने के पश्चात मुख्यमंत्री के नाम से संबोधित पत्रक को जिलाधिकारी के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार राजीव कुमार सिंह ने सौंपा। बतादे कि अधिवक्ता डॉ शम्मी सिंह ने कहा कि स्व अमन कुमार के पिता खुरचन राम ने जेल प्रशासन पर यह आरोप लगाया है कि आये दिन मेरे बेटे से धन की मांग की जा रही थी जिसको नही देने पर उसको शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जिससे आजिज आकर उसने आत्महत्या कर ली। दिन में कोई बन्दी सरेआम आत्महत्या कर लिया और उसको बचाने के लिए कोई नही आया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्र नेता शशांक उपाध्याय ने कहा कि हम सभी कि मुख्यमंत्री जी से यही मांग है कि इस प्रकरण कि न्यायिक जांच हो और दोषियों पर दंडात्मक कार्यवाही हो। छात्र नेता अभिषेक राय ने कहा कि जल्द से जल्द दोषियों पर दण्डनात्मक कारवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन करने को हम सभी बाध्य होंगे। सामूहिक उपवास में बैठे डां शम्मी सिंह, मनीष चौधरी, शिवम उपाध्याय, अभिषेक द्विवेदी, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय, सुधांशु तिवारी, अनुज कुमार भारती, आकाश चौधरी, निलेश बिन्द, नितेश सिंह, निखिल राज भारती, विवेक भारती, विनोद कुशवाहा, सर्वजीत मौर्य इत्यादि मौजूद थे।

डीएम संग एसपी ने किया मतदाता सूची के संछिप्त पुनरीक्षण का स्थलीय निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 एवं अर्हता तिथि 1जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के अंतर्गत सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में अहर्ता दिनांक 1जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024, कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2023 से 9 दिसंबर 2023 तक जनपद में चलाया जा रहा। इसी क्रम जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा सामान्य निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का विधानसभा क्षेत्र सैदपुर अंतर्गत तहसील सैदपुर में बनाये गये मतदात पंजीकरण केन्द्र सैदपुर का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया एवं

आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होने कहा कि आयोग के निदेर्शानुसर दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर 2023 तक है । जिसमे विशेष अभियान 4 नवंबर 5 नवंबर, 25 नवंबर, 26 नवंबर, 2 दिसंबर, 3 दिसंबर को चलाया जाएगा। जिसमें फार्म 6 में नाम जोड़े जाएंगे ,फार्म 7 में आपत्तियां नाम काटे जाएंगे प्रारूप 8 में नाम संशोधन किया जाएगा और निर्वाचन नामावली का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी 2024 को किया जायेगा। जिन छात्र-छात्राएं या अन्य की उम्र 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो वे भी वोटर लिस्ट में अपना नाम सम्मिलित अवश्य करा सकते है। उन्होंने कहा इस कार्य मे निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का पालन अवश्य किया जाये इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा किसी भी मतदेय स्थल पर फार्म 06, 07 ,08 और 08 ए की कमी नहीं होनी चाहिए। सुपरवाइजर मतदेय स्थलों का निरंतर स्थलीय निरीक्षण करे, यदि कहीं भी बूथ पर फार्म की कमी हो तो संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी एवं जिला कार्यालय से समन्वय कर पूरा कराएं। सुपरवाइजर पहली बार निर्वाचक नामावली का कार्य करने वाले बीएलओ के कार्यों पर विशेष ध्यान रखे। इस दौरान उन्होंने बूथ लेबल ऑफिसर के कार्यप्रणाली को भी देखा तथा पुनरीक्षण अभियान के तहत नए मतदाताओं को शत प्रतिशत वोटर लिस्ट में जोड़ने, साथ ही जो मतदाता स्थान परिवर्तित करके नए स्थानों से जुड़े हैं उनके नाम को भी जोड़ा अथवा हटाया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण अभियान में संलग्न कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दिन प्रतिदिन की रिपोर्ट अपने संबंधित अधिकारी को प्रेषित करें, बूथ पर आने वाले मतदाताओं का संबंधित फार्म अवश्य भराये तथा लोगों को इस अभियान के संबंध में जागरूक भी करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा मतदाता वोटर लिस्ट में शामिल हो सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी सैदपुर, क्षेत्राधिकारी सैदपुर एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

60 हजार करोड़ के घोटाले बाज शाइन सिटी के निदेशक राशिद नसीम का होगा संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पण

प्रखर वाराणसी/एजेंसी। 60 हजार करोड़ से अधिक के घोटालेबाज राशिद नसीम के प्रत्यर्पण की बात संयुक्त अरब अमीरात में लगभग स्वीकार कर ली है। बता दें कि शाइन सिटी के निदेशक राशिद नसीम पर उत्तर प्रदेश व देश में कुल 5000 मुकदमे दर्ज हैं। जिसको लेकर सरकार केंद्र सरकार का विदेश मंत्रालय संयुक्त अरब अमीरात से लगातार संपर्क में था। इसी को लेकर संयुक्त अरब अमीरात ने शुक्रवार को भारत से राशिद नसीम के खिलाफ सारे सबूत मांगे हैं। जिसके बाद प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो जाएगा। बता दे कि प्रत्यर्पण के लिए 2022 में आर्थिक अपराध शाखा ने यूएई को पत्र लिखकर उसको सौंपने की मांग की थी। जिसके बाद लगातार विदेश मंत्रालय संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय से संपर्क में था। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद राशिद नसीम का प्रत्यर्पण लगभग तय

माना जा रहा है। वही सूत्र बता रहे हैं कि दुबई संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य कई देशों में राशिद नसीम में हीरे और सोने का बहुत बड़ा व्यवसाय खड़ा कर रखा है। अब तक 125 करोड़ की संपत्ति राशिद नसीम की जप्त की जा चुकी है। राशिद नसीम के घोटाले से करीब 10 लाख लोग प्रभावित है। राशिद नसीम के खिलाफ सर्वाधिक 500 मुकदमे लखनऊ में दर्ज है। उसके बाद वाराणसी का नंबर है। कुल मिलाकर उसके ऊपर 5000 मुकदमे दर्ज हुए हैं। बताया जाता है कि रशीद के एक कर्मचारी ने ही उसके इस काले कारनामे का भंडा फोड़ा था । उसने एक संस्था बनाकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में उसके खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी। जिसके बाद लगातार उसके ऊपर शिकंजा कसता गया। शिकंजा कसता देख वह भारत छोड़ फरार हो गया। सर्वाधिक 400 मुकदमे लखनऊ के गोमती नगर में ही दर्ज हैं।

संक्षिप्त खबरें

लायंस क्लब वाराणसी सिल्क सिटी ने धूमधाम से मनाया दीपमालिका, दियों का त्यौहार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लायंस क्लब वाराणसी सिल्क सिटी ने अपना दिवाली मिलन का कार्यक्रम नाटी इमली स्थित गणेश मंडपम में बड़े ही शानदार तरीके से आयोजित किया जिसकी थीम दीपमालिका दियों का त्यौहार थी इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष ला. आलोक कृष्ण अग्रवाल एवं सचिव रोहित ने सभी लोगों का स्वागत किया कार्यक्रम के संयोजक ला. धीरज कपूर एवं लायंस सीमा अग्रवाल ने पूरे कार्यक्रम को बखूबी निभाया` कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित करके हुई अध्यक्ष लायन आलोक अग्रवाल ने बताया कि काफी सालों बाद इस साल क्लब डारेयक्टरी का प्रकाशन हुआ है जिसका आज विमोचन हुआ आज के इस कार्यक्रम में तरह तरह के मनोरंजक गेम के स्टाल बच्चों द्वारा महिलाओं द्वारा hosie, वन मिनट गेम इत्यादि से दिवाली मिलन समारोह यादगार बन गया इस अवसर पर ला. राकेश, ला नवनीत ला. राजीव, ला. सौरभ, ला.श्याम कृष्ण ला. गौरव, ला. डाक्टर कैलाश एवं चेयरपर्सन पूजा महिला सचिव पीयूष अनुप्रिया हर्षा अंशुल ,गीतू, दीपाली, सुरेखा,छाया आदि उपस्थित रहे। अध्यक्ष ने आज के सफल कार्यक्रम के लिए संयोजक एवं पूरी टीम को दी बधाई।

पुष्पा राकेश तिवारी बनीं प्रकृति अनाथ आश्रम की महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष

प्रखर कसया, कुशीनगर। प्रकृति अनाथ आश्रम के राष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 108 श्री आचार्य गोविंद दास जी महाराज के निर्देश पर आश्रम के राष्ट्रीय प्रबन्धक मनोज कुमार दास ने आश्रम संगठन का पुष्पा राकेश तिवारी को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। जनपद कुशीनगर के तहसील कसया अंर्तगत ग्राम धुरिया निवासी श्री दास द्वारा जारी विज्ञप्ति में पुष्पा रानी तिवारी निवासिनी मनिष कम्प्लेक्स, समोर, तालुका - पालघर, बोईसर पश्चिम, ठाणे, महाराष्ट्र के मनोनयन की जानकारी दी है। श्री दास ने विश्वास व्यक्त किया है कि आप आश्रम की कल्याणकारी नीतियों, सुखी सम्पन्न राष्ट्र व समाज निर्माण में पूरी निष्ठा से योगदान देंगी। मनोनयन पर श्रीश्री 108 श्रीमहंत बलराम दास जी महाराज, श्रीश्री108 श्रीमहंत बृजमोहन दास जी महाराज, साध्वी देवा ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लीना सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, एडवोकेट पंकज सिंह उर्फ पूजा सिंह, उत्तर प्रदेश महिला प्रदेश अध्यक्ष कथावाचक प्रियंका द्विवेदी, सलेमपुर सांसद प्रतिनिधि जगन्नाथ कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र कुशवाहा, अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सैयद मुस्तहर जह अहमद, प्रीति यादव, कुसुम मिश्रा, आशुतोष पांडेय, संतोष यादव, राजू मिश्रा, राजकुमार पांडेय, अनिल तिवारी, राकेश पांडेय, एडवोकेट ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, अमित यादव, जयप्रकाश प्रसाद, डब्लू वर्मा, अखिलेश कुमार गोंड, टूना मिश्रा, अलका सिंह, सविता मिश्रा सहित लाखों कार्यकताओं ने बधाई दी है।

पानी टंकी का निर्माण ठप्प रास्ते को खोदकर छोड़ा राहगीरों की बढ़ी समस्या

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। पाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत मिनवा में सरकार के निदेर्शानुसार जल निगम विभाग द्वारा शुद्ध पानी गांव वालों को उपलब्ध कराने हेतु जगह जगह पानी टंकी का निर्माण कराया जा रहा है। गांव में लगभग एक साल पहले पानी की टंकी निर्माण कराने हेतु जगह जगह रास्ते को खोदकर छोड़ दिया गया है नहीं काम शुरू कराया जा रहा है नहीं रास्ते को ठीक कराया जा रहा है जिससे आने जाने वालों को परेशानी हो रही है और पानी की समुचित व्यवस्था हो पायी है। इससे आजिज आकर ग्राम पंचायत अध्यक्ष दिनेश जयसवाल ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इसकी रुके काम की शिकायत दर्ज कराई है। जिसमे सम्बंधित लोगों द्वारा फर्जी काम होने की रिपोर्ट भी लगा दिया गया है जबकि मौके पर लगभग एक साल से काम शुरू कराकर छोड़ दिया गया है। विभाग व ठेकेदार के गैर जिम्मेदाराना हरकत से इसका खामियाजा गांव और आस पास के लोग भोग रहे हैं। गांव के प्रधान ने इस काम को शुरू करने की मांग किया है।

डीएम की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

प्रखर संत कबीर नगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के परियोजनाओं हेतु भूमि आवंटन एवं भूमि विवाद के लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक विगत दिवस देर सायं कलेक्टर सभागार में आयोजित हुई। समीक्षा के दौरान फेज-2 के कुल 171 परियोजनाओं के सापेक्ष भूमि विवाद के 7 प्रकरण लंबित पाए गए तथा फेज-5 में 290 परियोजनाओं के सापेक्ष 53 प्रकरण लंबित हैं। जिलाधिकारी द्वारा सभी उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि इसे गंभीरता से लेते हुए प्रतिदिन संबंधित लेखपालों से अनुश्रवण करके लंबित प्रकरणों को निस्तारित कराएं। उन्होंने कहा कि आवंटित भूमि पर अनाधिकृत कब्जा करने तथा कार्य में अनावश्यक व्यवधान करने वालों पर एफआईआर कर कानूनी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं